page 1 and 8 jan 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/17/2026 11:44 PM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 भद्रवाह में दो दिवसीय विंटर कार्निवल-2026 का शुभारंभ

5 बिग बैश लीग में स्टीव स्मिथ ने रचा इतिहास

8 पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर

न्यूनतम 8 मौसम जम्मू अधिकतम 15

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-16 | जम्मू तवी, रविवार 18 जनवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना कर बोले मोदी, भारत को जोड़ना हमारी प्राथमिकता

मालदा, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा से गुवाहाटी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना किया और कहा कि भारत को जोड़ना उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। श्री मोदी ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पहले यहां विद्यार्थियों से बात भी की। इस दौरान कुछ विद्यार्थियों ने श्री मोदी को पेंटिंग भेंट कीं। प्रधानमंत्री ने ट्रेन में केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि पहले लोग दूसरे देशों की आधुनिक ट्रेनों को देखकर आस लगाया करते थे कि भारत में भी ऐसी ट्रेनें हों। अब वह सपना सच हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मां दुर्गा और मां कामाख्या की भूमि को जोड़ रही है। उन्होंने इसके

लिये पश्चिम बंगाल और असम के लोगों को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि रेलवे कायाकल्प के दौर से गुज़र रहा है। आज पश्चिम बंगाल सहित देश में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। आधुनिक और तेज गति से चलने वाली ट्रेनों का एक नेटवर्क बन रहा है। पश्चिम बंगाल के गरीब और मध्यम वर्ग परिवारों को इसका फायदा हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल को मिली चार अन्य वंदे भारत ट्रेनों का ज़िक्रि करते हुए कहा कि जो लोग बंगाल और पूर्वी भारत की यात्रा के लिये देश के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं, ये ट्रेनें उनके सफर को आसान बनायेंगी। आज भारतीय रेल आधुनिक होने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी हो रही है। भारत के रेल इंजन, डिब्बे और मेट्रो कोच भारत की तकनीक की पहचान बन रहे हैं। आज हम अमेरिका और यूरोप से ज्यादा लोकोमोटिव बना रहे हैं। दुनिया के कई देश पैसेंजर कोच और मेट्रो कोच आयात कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था को लाभ और युवाओं को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत को जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है, और यह आज के कार्यक्रम में दिखता भी है। इससे पूर्व, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि आधुनिक भारत की बढ़ती परिवहन ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बनायी गयी पूरी तरह से वातानुकूलित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को किफायती किराये पर एयरलाइन जैसा यात्रा का अनुभव देगी। यह लंबी दूरी की यात्राओं को तेज़, सुरक्षित और ज़्यादा सुविधाजनक बनायेगी।

पहलगाम हमले के बाद हालात सुधरने से पर्यटकों की संख्या में हुई बढ़ोतरी : अटल ढुल्लू

जम्मू, 17 जनवरी। जम्मू और कश्मीर के मुख्य सचिव अटल ढुल्लू ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद खराब मौसम की वजह से जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र को भारी झटका लगा था, लेकिन अब हालात सुधरने के साथ ही पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि इसमें धीरे-धीरे सुधार हो रहा है।

ढुल्लू ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पारंपरिक पर्यटन स्थलों पर दबाव कम करने के उद्देश्य से उभरते पर्यटन स्थलों में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी परियोजना की परिकल्पना की गई है और इसके कार्यान्वयन की सावधानीपूर्वक योजना बनाई जा रही है।

मुख्य सचिव ढुल्लू ने एक

साक्षात्कार में कहा कि अगर हम पर्यटन की बात करें तो पहलगाम हमले और उसके बाद भारी बारिश और बाढ़ की घटनाओं के कारण 2025 में काफी नुकसान हुआ था। हालांकि अब हम धीरे-धीरे सुधार देख रहे हैं। मौसम में सुधार होने के साथ ही पर्यटकों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि पुनरुद्धार की प्रक्रिया जारी है लेकिन सरकार पर्यटकों की बढ़ती संख्या और सतत विकास के लिए अपनी पर्यटन रणनीति का पुनर्मूल्यांकन कर रही है।

उन्होंने आगे कहा कि पर्यटन के विकास के साथ-साथ हमें बढ़ती हुई पर्यटकों की संख्या को संभालने की अपनी तैयारियों पर भी ध्यान देना होगा। इसके लिए हमारी पर्यटन रणनीति और क्षमता का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। मुख्य सचिव ने पारंपरिक पर्यटन स्थलों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए नए पर्यटन स्थलों के विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि नए पर्यटन स्थलों के विकास से पर्यटकों की संख्या में अधिक समानता आएगी। इससे स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार सृजित होगा, बुनियादी ढांचे का विकास होगा, निवेश आकर्षित होगा और मौसमी पर्यटन की भीड़ को कम करने में मदद मिलेगी।

स्प्रेड पहल का जिक्र करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि इसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और समानता को संतुलित करते हुए पर्यावरण के प्रति संवेदनशील, साल भर चलने वाले वैकल्पिक पर्यटन स्थलों को विकसित करके भीड़भाड़ से मुक्त करना है।

उन्होंने कहा कि मुख्य तीर्थयात्रा मार्गों से परे क्षेत्र के व्यापक अवकाश, विरासत, साहसिक और आध्यात्मिक आकर्षणों को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया के सक्रिय उपयोग पर भी जोर दिया।

खबर संक्षेप

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग भारी भीड़ के बीच दोनों तरफ से यातायात के लिए खुला

जम्मू, 17 जनवरी । जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शनिवार को दोनों तरफ से यातायात के लिए खुला रहा; हालांकि इस महत्वपूर्ण राजमार्ग पर कई स्थानों पर भारी जाम की सूचना मिली जिससे यात्रियों को असुविधा हुई।

यातायात अधिकारियों ने बताया कि राजमार्ग दोनों तरफ से चालू होने के बावजूद वाहनों की अधिक संख्या और चालकों द्वारा बार-बार ओवरटेकिंग के कारण कई स्थानों पर यातायात जाम देखा गया। यातायात की धीमी गति, विशेष रूप से संकरे और संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों और मालवाहक वाहनों के लिए विलंब का कारण बनी। यातायात पुलिस ने एक सलाह जारी कर चालकों से सख्ती से लेन अनुशासन का पालन करने और ओवरटेकिंग से बचने का आग्रह किया है, साथ ही चेतावनी दी है कि इस तरह की हरकतें राजमार्ग पर यातायात जाम का एक प्रमुख कारण हैं।

अधिकारियों ने कहा कि अनावश्यक ओवरटेकिंग न केवल सुचारू वाहन प्रवाह को बाधित करती है बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ाती है। उन्होंने चालकों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, यातायात निर्देशों का पालन करने और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए मार्ग पर तैनात यातायात कर्मियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

खेल एक शक्तिशाली माध्यम है जो व्यक्तियों को गढ़ता है, समुदायों को जोड़ता है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है : एलजी सिन्हा

जम्मू, 17 जनवरी। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने शनिवार को जम्मू में युवा सेवा एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय **'राष्ट्रीय स्तरीय खेल सम्मेलन - सृजन का उद्घाटन किया। सम्मेलन का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में खेल प्रणालियों को सशक्त बनाने हेतु ठोस रणनीतियों की पहचान करना, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और जम्मू-कश्मीर खेल नीति 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रोडमैप तैयार करना तथा एक लचीली और भविष्य के लिए तैयार पीढ़ी के निर्माण के उपायों को उजागर करना है। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने खेलों को शिक्षा और आवश्यक जीवन कौशल से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाठ्यक्रम में खेलों के समावेश से युवाओं का संपूर्ण और सर्वांगीण विकास संभव है। उपराज्यपाल ने कहा,卐खेल एक शक्तिशाली शक्ति है जो व्यक्तियों को गढ़ती है, समुदायों को जोड़ती है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवाओं के लिए खेल एक वास्तविक जीवन की पाठशाला है, जो अनुभव के माध्यम से अनुशासन, मूल्य और नेतृत्व सिखाती है। यह सशक्तिकरण, सामाजिक जागरूकता और समाज की समग्र प्रगति का सशक्त माध्यम है। उपराज्यपाल ने इस बात पर बल दिया कि खेलों को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभा का विकास केवल शांतिपूर्ण वातावरण में ही संभव है। भारत को एक सच्ची खेल महाशक्ति बनाने के लिए खेल और राजनीति को पूरी तरह अलग रखना होगा। उन्होंने कहा कि राजनीति को खेलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए और प्रतिभाशाली युवाओं को उनके योग्य अवसरों से वंचित

नहीं किया जाना चाहिए। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी, जिसमें चयन प्रक्रिया पर किसी प्रकार का संदेह न रहे, उन्होंने कहा। उपराज्यपाल ने खेल प्रतिभाओं को आवश्यक समर्थन देने और जमीनी स्तर पर अत्याधुनिक खेल अवसंरचना विकसित करने के प्रशासन के संकल्प को भी दोहराया। उन्होंने महिलाओं और युवाओं की खेलों में भागीदारी को विशेष प्रोत्साहन देने और उन्हें पीछे रखने वाली प्रमुख बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं को खेलों के माध्यम से अवसरों के नए मार्ग सृजित करने चाहिए।

कश्मीर में पूर्व पुलिसकर्मी पर नौकरी चाहने वालों से 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

श्रीनगर, 17 जनवरी । कश्मीर की क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक पूर्व पुलिसकर्मी के खिलाफ सरकारी नौकरी दिलाने का वादा करके और फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करके कई लोगों को ठगने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी ने जाली दस्तावेजों और झूठे आश्वासनों का इस्तेमाल करके पीड़ितों से लगभग 23 लाख रुपये की ठगी की। जारी एक बयान के अनुसार कश्मीर की क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने भोले-भाले लोगों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बयान में कहा गया है कि श्रीनगर स्थित आर्थिक अपराध शाखा को एक लिखित शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आरोपी जो एक पूर्व पुलिसकर्मी है ने सरकारी नौकरी दिलाने का वादा करके धोखाधड़ी से लगभग 23 लाख रुपये की रकम वसूल की। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने फर्जी नियुक्ति आदेश जारी किए और फर्जी पहचान पत्र, लाइसेंस, नियुक्ति पत्र सहित जाली दस्तावेज उपलब्ध कराए, साथ ही फर्जी पुलिस और सीआईडी सत्यापन रिपोर्ट भी तैयार कीं। बयान में कहा गया, शिकायत प्राप्त होने पर कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा प्रारंभिक जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। जांच में पता चला कि आरोपियों ने सरकारी नौकरी के झूठे आश्वासन देकर फर्जी नौकरी के आदेश जारी करके शिकायतकर्ताओं की मेहनत की कमाई को सुनियोजित तरीके से लूटा था।

हम सब मिलकर 2047 तक भारत को बनाएंगे विकसित और आत्मनिर्भरः गडकरी

भोपाल, 17 जनवरी। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हमारे लिए सिर्फ स्वप्न नहीं, एक संकल्प है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए पूरा देश एकजुट और एकमत होकर काम कर रहा है। हम सब मिलकर 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाएंगे। देश के समग्र विकास के इस महायज्ञ में सबसे बड़ी आहुति मध्य प्रदेश की ही होगी। केन्द्रीय सड़क मंत्री गडकरी शनिवार को मध्य प्रदेश के विदिशा में आयोजित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण एवं

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सही नेतृत्व और समर्पित सरकार से कदमताल कर हम मध्य प्रदेश को एक प्रगतिशील, समृद्ध और सम्पन्न राज्य बनाएंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के विकास को और गति देने के लिए विदिशा में 4400 हजार करोड़ रुपये की लागत से 8 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। गडकरी ने कहा कि हम मध्य प्रदेश के विकास को शक्ति देने के लिए पूरी ताकत से अपना सहयोग देंगे। उन्होंने इस मौके पर मध्य प्रदेश के विकास से जुड़ी विभिन्न सड़क परियोजनाओं पर सहमति व्यक्त कर करीब एक लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अधीन दो लाख करोड़ रुपये लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग विकस परियोजनाओं पर पहले से ही काम चल रहा है।

माता वैष्णो देवी कॉलेज पर एनएमसी के निर्णय की समीक्षा की मांग, प्रस्ताव पारित

श्रीनगर, 17 जनवरी। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जिसमें केंद्र सरकार से श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस पाठ्यक्रम चलाने की अनुमति रद्द करने के निर्णय की समीक्षा करने की मांग की गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने न्यूनतम मानकों का पालन न होने तथा संकाय (फैकल्टी) की कमी, नैदानिक सुविधाओं और अवसंरचना में व्यापक खामियों का हवाला देते हुए कॉलेज को जारी अनुमति पत्र (लेटर ऑफ परमिशन) को रद्द कर दिया था। सूत्रों के अनुसार, तनवीर सादिक द्वारा प्रस्तुत इस निजी सदस्य प्रस्ताव में सदन से आग्रह किया गया है कि वह केंद्र सरकार और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग से अनुमति पत्र की वापसी के निर्णय की तत्काल समीक्षा और पुनर्विचार करने को कहे। एनएमसी का यह निर्णय एमबीबीएस पाठ्यक्रम में बड़ी संख्या में गैर-हिंदू

अभ्यर्थियों के प्रवेश के विरोध में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा किए गए प्रदर्शनों के बीच आया है। यह विवाद अगले माह होने वाले जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र की प्रारंभिक कार्यवाही पर हावी रहने की संभावना है। प्रस्ताव में शासकीय निकाय से निष्पक्ष और पारदर्शी पुनर्मूल्यांकन की मांग की गई है तथा व्यापक जनहित में एसएमवीडी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में एमबीबीएस पाठ्यक्रम को बहाल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया है।

राम कथा भारत की सभ्यतागत बुद्धिमत्ता का जीवंत दर्शनः उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली, 17 जनवरी। उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि राम कथा भारत की सभ्यतागत बुद्धिमत्ता में निहित एक जीवंत दर्शन है।

राधाकृष्णन ने यह बात राजधानी स्थित भारत मंडपम में कथावाचक मोरारी बापू द्वारा आयोजित नौ दिवसीय राम कथा के उद्घाटन समारोह में कही। इस अवसर पर, उन्होंने दीप प्रवलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। राम कथा को भारत की सभ्यतागत बुद्धिमत्ता में निहित एक जीवंत दर्शन बताते हुए उन्होंने धर्म, करुणा और सद्भाव के इसके शाश्वत संदेश पर प्रकाश डाला और पूरी दुनिया में प्रभु श्री राम के आदर्शों को फैलाने में मोरारी बापू के आजीवन प्रयासों की सराहना की।

उप राष्ट्रपति ने राम कथा के माध्यम से प्रसारित होने वाले धर्म, करुणा और सद्भाव के शाश्वत संदेशों को रेखांकित किया। उन्होंने मोरारी बापू के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कई दशकों से वे पूरी दुनिया में प्रभु श्री राम के आदर्शों को फैला रहे हैं। उन्होंने बापू के आजीवन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कथा समाज में एकता और शांति का संचार करती है। यह नौ दिवसीय आयोजन 25 जनवरी तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन स्थल पर सुरक्षा और भक्तों की सुविधाओं के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

बहुत से लोग इस बात का रोना रोते रहते हैं कि उनका भाग्य ही खराब है। नसीब नहीं साथ दे रहा है इसलिए किसी काम में सफलता नहीं मिलती है। जबकि सच यह है कि भाग्य तो कर्म के अधीन है। हाथ की लकीरों में अपने भाग्य को ढूंढने की बजाय अगर हम हाथों को कर्म करने के लिए प्रेरित करें तो भाग्य रेखा खुद ही मजबूत हो जाएगी और हम वह पा सकेंगे जिसकी हम चाहत रखते हैं।

कर्म कीजिए भाग्य आपका गुलाम बन जाएगा

कर्म के अनुसार बदलती हैं रेखा

हस्त रेखा विज्ञान के अनुसार कुछ रेखाओं को छोड़ दें तो बाकी सभी रेखाएं कर्म के अनुसार बदलती रहती है। अपनी हथेली को गौर से देखिए कुछ समय बाद रेखाओं में कुछ न कुछ बदलाव जरूर दिखेगा इसलिए कहा गया है कि रेखाओं से किस्मत नहीं कर्म से रेखाएं बदलती हैं।

सकल पदारथ एहि जग माहि

गोस्वामी तुलसीदास जी कर्म के मर्म को बखूबी जानते थे तभी उन्होंने कहा है सकल पदारथ एहि जग माहिं। कर्महीन नर पावत नाहिं।। तुलसीदास जी ने अपनी दोहा में स्पष्ट किया है कि इस संसार में सभी कुछ है जिसे हम पाना चाहें तो प्राप्त कर सकते हैं लेकिन जो कर्महीन अर्थात प्रयास नहीं करते इच्छित चीजों को पाने से वंचित रह जाते हैं।

सिंह को भी आलस्य त्यागना होगा

नीतिशास्त्र में कहा गया है कि न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः॥ इसका तात्पर्य यह है कि सिंह अगर शिकार करने न जाए और सोया रहे तो मृग स्वयं ही उसके मुख में नहीं चला जाएगा। यानी सिंह को अपनी भूख मिटानी है तो उसे आलस त्यागकर मृग का शिकार करना ही पड़ेगा। इसी प्रकार हम सभी को जिस चीज की, जिस मंजिल की तलाश है उसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रयास का फल देर से मिल सकता है लेकिन परिणाम आपके पक्ष में होगा यह मानकर सही दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए।

पृथ्वी यानी कर्म की भूमि

शास्त्रों में पृथ्वी को कर्म भूमि कहा गया है। यहां आप जैसे कर्म करते हैं उसी के अनुरूप आपको फल मिलता है। भगवान श्री कृष्ण ने ही गीता में कर्म को ही प्रधान बताया है और कहा है कि हम मनुष्य के हाथों में मात्र कर्म है अतः हमें यही करना चाहिए। फल क्या होगा वह हमें भगवान पर छोड़ देना चाहिए। भगवान अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते हैं इसलिए जो जैसा कर्म करता है उसे उसका उसे वैसा ही फल देते हैं। सीधी बात यह है कि कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहिं सो तस फल चाखा। अर्थात जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही परिणाम मिलेगा आपको

अगर आप दुःखी हैं तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप खुद हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दुःख से कोई लेना देना नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा।

हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्र में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके।

भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दुःखी होता है और क्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं।

महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं।

अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। शास्त्रों में अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

दूसरों के अवगुण नहीं गुण भी देखिए

मनुष्यों की सामान्य प्रवृति है कि वह अपने भीतर सिर्फ गुण देखता है और दूसरों के गुणों को पहचान नहीं पाता है। यही कारण है कि मनुष्य खुद को दूसरों से श्रेष्ठ मानने की भूल कर बैठता है। जबकि गौर से देखें तो जिसे आप अयोग्य व्यक्ति मानते हैं उसमें भी कुछ न कुछ गुण अवश्य पाएंगे। अगर उन गुणों को अपने अंदर ग्रहण करने की कोशिश करें तो जिस व्यक्ति को अयोग्य मान रहे थे वह भी आपको गुणों का खजाना नज़र आने लगेगा। इससे आप कई चीजें एक साथ प्राप्त कर लेंगे। एक तो उस व्यक्ति की नज़र में आपका सम्मान बढ़ेगा। मन से निरादर की भावना दूर होगी और आपसी प्रेम में वृद्धि होगी। महात्मा गांधी के जीवन से जुड़ी एक ऐसी ही घटना का जिक्र यहां प्रस्तुत है जो बताता है कि किस प्रकार हमें बुराईयों में से अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। महात्मा गांधी इंग्लैंड की यात्रा पर थे। उस समय उन्हें एक अंग्रेज ने एक कागज पर बुरा-भला लिखकर दिया। गांधी जी ने उस व्यक्ति से कुछ नहीं कहा बल्कि कागज में लगा हुआ पिन निकालकर अपने पास रख लिया और कागज फेंक दिया। गांधी जी के साथ जो लोग थे उन्होंने गांधी जी से कहा कि अंग्रेज आपको बुरा-भला कह रहा है और आप उसे कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। गांधी जी ने कहा कि कागज पर लिखे हुए शब्द मेरे लिए उपयोगी नहीं थे। इसलिए मैंने उन्हें फेंक दिया। जबकि कागज में लगा हुआ पिन उपयोगी है इसलिए मैंने उसे अपने पास रख लिया है। गांधी जी ने ऐसा कह कर यह संदेश दिया कि बुराईयों को छोड़ दो और जहां कहीं कुछ भी अच्छाई दिखे उसे तुरंत ग्रहण कर लो।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

जेकाएकल ने जम्मू में पंजाबी लघु कथा संग्रह कदमा दे निशान का विमोचन किया

जम्मू, 17 जनवरी। जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी, जम्मू ने आज के. एल. सहगल हॉल, जम्मू में एक पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर उभरती हुई पंजाबी लेखिका शरणजीत कौर संधू द्वारा लिखित पंजाबी लघु कथा संग्रह कदमा दे निशान का लोकार्पण किया गया।

समारोह की मुख्य अतिथि हरबंस कौर बाली थीं, जबकि प्रसिद्ध पंजाबी लेखिका एवं उपन्यासकार सुरिंदर कौर नीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अतिथियों का स्वागत करते हुए, JKAACL के अतिरिक्त सचिव लाल चंद ने साहित्य, कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु अकादमी के सतत प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि JKAACL, सचिव के सक्षम मार्गदर्शन में, उभरते लेखकों और कलाकारों को सार्थक मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अकादमी जम्मू-कश्मीर की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रही है, जिसमें विशेष रूप से साहित्य, कला, चित्रकला और भाषाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि कलाकारों, विद्वानों और सांस्कृतिक साधकों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। मुख्य अतिथि हरबंस कौर बाली ने लेखिका को पुस्तक प्रकाशन पर बधाई दी और पंजाबी भाषा व साहित्य को लिखने, पढ़ने और संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने लेखकों को प्रोत्साहित करने और समाज की सांस्कृतिक व साहित्यिक नींव को मजबूत करने के लिए ऐसे सार्थक साहित्यिक आयोजनों के लिए JKAACL की सराहना की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में सुरिंदर कौर नीर ने नवोदित लेखकों और युवा विद्वानों को सहयोग देने हेतु अकादमी की महत्वपूर्ण पहलों की प्रशंसा की।

भद्रवाह में दो दिवसीय विंटर कार्निवल-2026 का शुभारंभ

भद्रवाह, 17 जनवरी। जम्मू-कश्मीर (केंद्र शासित प्रदेश) सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा, पर्यटन निदेशालय जम्मू के माध्यम से, जिला प्रशासन डोडा तथा भद्रवाह विकास प्राधिकरण के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय विंटर कार्निवल-2026 का आज गुलदंडा, भद्रवाह में उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक गतिविधियों से सजे इस आयोजन ने बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित किया।

कार्यक्रम में डीडीसी चेयरमैन डोडा, धनंतर सिंह कोटवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विधायक भद्रवाह, दलीप सिंह परिहार, उप निदेशक पर्यटन, पंकज ससरन तथा उप निदेशक प्रचार, सविता चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे, जिनमें एसएसपी डोडा संदीप मेहता, अतिरिक्त उपायुक्त भद्रवाह सुनील कुमार भूट्याल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भद्रवाह विकास प्राधिकरण संजीव शर्मा, एसपी भद्रवाह विनोद शर्मा, एआरटीओ डोडा कपिल देओल सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं उप-जिला स्तर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। विंटर कार्निवल का उद्देश्य भद्रवाह में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देना, इसकी प्राकृतिक सुंदरता को उजागर करना तथा स्थानीय संस्कृति और प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है। समारोहों की श्रृंखला के अंतर्गत 18 जनवरी 2026 को न्यू बस स्टैंड, कोटली भद्रवाह में एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय लोगों और पर्यटकों की बड़ी भागीदारी की उम्मीद है। यह आयोजन जिला प्रशासन डोडा और भद्रवाह विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में किया जा रहा है, जो क्षेत्र में भद्रवाह को एक प्रमुख शीतकालीन पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों को दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में तीन तस्कर गिरफ्तार, 4 किलो चरस बरामद

बडगाम, 17 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले की पुलिस ने शनिवार तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। तलाशी में इनके पास से 4 किलो चरस बरामद की गई है।

पुलिस ने एक बयान में बताया कि जिले के मागम और हरदपंजू इलाकों में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है। पहले अभियान में मागम पुलिस स्टेशन की टीम ने बटपोरा क्रॉसिंग पर नियमित गश्त के दौरान एक संदिग्ध को पकड़ा।

उसके पास एक नायलॉन का थैला था और पुलिस दल को देखते ही उसने भागने की कोशिश की। उसे पकड़ा गया और तलाशी के दौरान उसके पास से 2 किलो 100 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। व्यक्ति की पहचान रौफ अहमद हाजम के रूप में हुई है जो बटपोरा, कनिहामा का निवासी है।

पुलिस के अनुसार एक अन्य अभियान में हाईपंजू पुलिस चौकी की टीम ने बोनिजनिगम गांव में जांच के दौरान थैला लिए हुए दो व्यक्तियों को संदिग्ध व्यवहार करते हुए देखा गया और उन्होंने भागने का प्रयास किया। दोनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। आरोपितों की पहचान इरफान अहमद मीर पुत्र मोहम्मद यूसुफ मीर और औवैस अहमद भट पुत्र गुलाम मोहम्मद भट के रूप में हुई। दोनों हरदुलतिना गांव के निवासी हैं। तलाशी लेने पर पुलिस ने इनके पास से दो किलो से ज्यादा चरस जैसा पदार्थ बरामद किया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

बीएमसी चुनाव परिणाम भाजपा के शासन मॉडल में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं : बलबीर

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। भाजपा के प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने कहा कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव 2026 के परिणाम स्पष्ट रूप से समावेशी विकास, पारदर्शी शासन और कुशल नागरिक प्रशासन के भाजपा के दीर्घकालिक दृष्टिकोण में मुंबई के मतदाताओं के बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं।

जनमत पर प्रतिक्रिया देते हुए बलबीर राम रतन ने कहा कि मुंबईवासियों ने प्रगति, जवाबदेही और स्थिरता के लिए निर्णायक रूप से मतदान किया है। उन्होंने कहा कि बीएमसी 2026 के परिणाम महानगर के भविष्य के लिए भाजपा के दृष्टिकोण में मुंबई की जनता के अटूट विश्वास का सशक्त प्रमाण हैं। उन्होंने आगे कहा, फ्यह जनादेश स्वच्छ, उत्तरदायी और विकासोन्मुखी नगरपालिका शासन के लिए जनता की आकांक्षा को रेखांकित करता है।

उन्होंने कहा कि यह फैसला सामान्य चुनावी सफलता से कहीं अधिक है और नागरिक राजनीति में एक स्पष्ट बदलाव का संकेत देता है, जहां प्रदर्शन और दूरदर्शिता को मात्र वादों से अधिक महत्व दिया गया है। मतदाताओं ने शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, नागरिक सेवाओं में सुधार करने और मुंबई निवासियों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के भाजपा के संकल्प का समर्थन किया है। बलबीर ने कहा कि परिणाम दर्शाते हैं कि नागरिक विकास और सुशासन के एजेंडे से जुड़े हुए हैं और भाजपा पर वादे पूरे करने का भरोसा रखते हैं।

श्रीनगर मौसम विभाग ने बारिश की संभावना की चेतावनी दी गई

श्रीनगर, 17 जनवरी (हि.स.)। श्रीनगर मौसम विभाग श्रीनगर ने शनिवार को एक विस्तृत पूर्वानुमान जारी किया है जिसमें आने वाले दिनों में केंद्र शासित प्रदेश में बारिश की संभावना की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 17 और 18 जनवरी को मौसम आंशिक रूप से या आमतौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है साथ ही कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 19 से 20 जनवरी तक मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है जिसमें पूरे क्षेत्र में कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी हो सकती है। उन्होंने बताया कि 21 जनवरी को आंशिक रूप से या आम तौर पर बादल छाए रहेंगे साथ ही कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार 22 जनवरी की शाम से मौसम में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है। जिसमें 23 और 24 जनवरी के बीच अधिकांश जगहों पर आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होगी। इस अवधि के दौरान चिनाब घाटी पीर पंजाल रेंज और दक्षिण कश्मीर के कुछ हिस्सों के कुछ जिलों में भारी बारिश या बर्फबारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है।

भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय और राज्य परिषद सदस्यों की बैठक आयोजित की

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया पर विचार-विमर्श करने के लिए जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्यों और राज्य परिषद सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। यह बैठक फ्संगठन पर्वफ् के बैनर तले देश भर में चल रहे संगठनात्मक चुनावों के अंतर्गत आयोजित की गई थी।

जम्मू और कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा सीए, भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल के साथ बैठक में उपस्थित रहे और उन्होंने संबोधित किया। बैठक का समन्वय भाजपा उपाध्यक्ष राकेश महाजन ने किया।

भाजपा ने सांबा में विशाल जनसभा का नेतृत्व किया

सांबा, 17 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भाजपा अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, संगठन महासचिव अशोक कौल, विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया और विधायक डॉ. देवेंदकुमार मन्याल ने सांबा जिले में जनसभा के लिए आयोजित एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित किया। भाजपा ने विकसित भारत और ग्राम-जी जागरूकता अभियान के तहत एक विशाल रैली का भी नेतृत्व किया जिसमें लोगों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सामूहिक मिशन में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया गया।जम्मू और कश्मीर भाजपा उपाध्यक्ष और जिला सांबा प्रभारी रेखा महाजन, उपाध्यक्ष रशपाल वर्मा, महासचिव संजीता डोगरा, जिला परिषद अध्यक्ष केशव दत्त शर्मा, सचिव अरुण शर्मा, जिला अध्यक्ष आशा रानी, जिला परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार फल्ली, रमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ नेता और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कश्मीर में पूर्व पुलिसकर्मी पर नौकरी चाहने वालों से 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज

श्रीनगर, 17 जनवरी (हि.स.)। कश्मीर की क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक पूर्व पुलिसकर्मी के खिलाफ सरकारी नौकरी दिलाने का वादा करके और फर्जी नियुक्ति पत्र जारी करके कई लोगों को ठगने के आरोप में मामला दर्ज किया है। आरोपी ने जाली दस्तावेजों और झूठे आश्वासनों का इस्तेमाल करके पीड़ितों से लगभग 23 लाख रुपये की ठगी की।जारी एक बयान के अनुसार कश्मीर की क्राइम ब्रांच की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने भोले-भाले लोगों को ठगने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बयान में कहा गया है कि श्रीनगर स्थित आर्थिक अपराध शाखा को एक लिखित शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आरोपी जो एक पूर्व पुलिसकर्मी है ने सरकारी नौकरी दिलाने का वादा करके धोखाधड़ी से लगभग 23 लाख रुपये की रकम वसूल की। इसके अलावा यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने फर्जी नियुक्ति आदेश जारी किए और फर्जी पहचान पत्र, लाइसेंस, नियुक्ति पत्र सहित जाली दस्तावेज उपलब्ध कराए, साथ ही फर्जी पुलिस और सीआईडी सत्यापन रिपोर्ट भी तैयार कीं।बयान में कहा गया, फ्शिकायत प्राप्त होने पर कश्मीर अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा प्रारंभिक जांच शुरू की गई। जांच के दौरान आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। जांच में पता चला कि आरोपियों ने सरकारी नौकरी के झूठे आश्वासन देकर फर्जी नौकरी के आदेश जारी करके शिकायतकर्ताओं की मेहनत की कमाई को सुनियोजित तरीके से लूटा था। बयान में आगे कहा गया है, इसके परिणामस्वरूप मामले का संज्ञान लिया गया और श्रीनगर के आर्थिक अपराध शाखा पुलिस स्टेशन में रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 420, 467, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शब-ए-मेराज के अवसर पर जावेद अहमद राना ने लोगों को दी शुभकामनाएं

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राना ने शब-ए-मेराज के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अपने संदेश में मंत्री जावेद राना ने कहा कि शब-ए-मेराज आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक उन्नति की पवित्र रात है। उन्होंने लोगों से इस मौके पर इबादत करने, आत्ममंथन करने और अल्लाह से क्षमा प्रार्थना करने का आह्वान किया।

मंत्री ने समाज में शांति, समृद्धि और भाईचारे की कामना करते हुए कहा कि इस पावन रात से हमें आपसी सौहार्द, एकता और सामूहिक कल्याण के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने सभी के लिए सर्वशक्तिमान की कृपा और आशीर्वाद की दुआ की।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या:- 219-2025-26-ADEN-I-ASR	दिनांक : 15.01.2026

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता-तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि **09.02.2026 समय 15:00 बजे** तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व केडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल बोली प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	बोली शुरू की तिथि	बोली समापन की तिथि तथा समय
15.01.2026	26.01.2026	09.02.2026 / 15:00 बजे

क्र.	निविदा संख्या	निविदा का विवरण		
1	219-2025-26-ADEN-I-ASR	सहायक मंडल अभियंता-प्रथम / अमृतसर के अधीन वेरका-डेरा बाबा नानक खंड पर स्थित सी-64 में सीमित ऊंचाई वाले सबवे में भूजल के प्रवेश को रोकने के लिए जल निकासी सुधार कार्य।		
	विज्ञापन मूल्य (रु.)	ब्याना राशि	ऑफर की वैधता	समापन की अवधि
	52,60,976.01	1,05,200.00	60 दिन	06 महीने
	सामान प्रकृति का कार्य: "एपॉक्सी / एपॉक्सी आधारित रसायनों का उपयोग करके मरम्मत करें।"			

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे।

183/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू-कश्मीर सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन ने पुंछ में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की मांग की

जम्मू, 17 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर में प्रस्तावित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) के स्थान को लेकर चल रहे विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर सीमा क्षेत्र विकास सम्मेलन (जेके-बीएडीसी) ने उच्च शिक्षा में सीमावर्ती जिलों को प्राथमिकता दिए जाने के संदर्भ में विश्वविद्यालय की स्थापना पुंछ में करने की मांग की है।जेके-बीएडीसी के अध्यक्ष और पूर्व कुलपति डॉ. शहजाद अहमद मलिक ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय स्वागत योग्य कदम है। हालांकि उन्होंने कहा कि पुंछ जैसे सीमावर्ती जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना से निष्पक्ष और संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित होने, दुर्गम भूभाग और बार-बार होने वाले संघर्ष विराम उल्लंघन के कारण पुंछ कई वर्षों से पिछड़ा हुआ है।

मडॉ. शहजाद ने कहा कि पुंछ में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना से सीमावर्ती और आदिवासी क्षेत्रों के छात्रों को लाभ होगा और साथ ही रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे में सुधार और क्षेत्र में कानूनी जागरूकता बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। जम्मू-कश्मीर जिला परिषद (जेकेबीएडीसी) के अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय संस्थानों को केवल विकसित शहरों में केंद्रित करना संतुलित विकास के सिद्धांत के विरुद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुंछ जिले में एक भी विश्वविद्यालय नहीं है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कड़ाके की ठंड, द्रास में पारा -9.9 डिग्री

श्रीनगर, 17 जनवरी । केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में इन दिनों शीत लहर का प्रकोप जारी है। कड़ाके की ठंड के चलते कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार लद्दाख का द्रास इस समय सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर -9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लद्दाख के अन्य क्षेत्रों में भी भीषण ठंड पड़ रही है। हानले में न्यूनतम तापमान -8.0 डिग्री, लेह में -7.0 डिग्री, न्योमा में -5.6 डिग्री और कारगिल में -5.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

कश्मीर घाटी की बात करें तो गुलमर्ग और बीरवाह (बडगाम) सबसे ठंडे स्थान रहे, जहां न्यूनतम तापमान -4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जेठान, रफीयाबाद और सोपोर में तापमान -3.6 डिग्री, जबकि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -3.2 डिग्री सेल्सियस रहा। काजीगुंड में -3.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। पहलगाम, कुपवाड़ा, कोकरनाग और अलूसा (बांदीपोरा) सहित अन्य क्षेत्रों में भी तापमान शून्य से नीचे बना रहा।

इसके विपरीत जम्मू क्षेत्र में ठंड की तीव्रता अपेक्षाकृत कम रही। जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कटरा और किश्तवाड़ में यह क्रमश: 7.4 डिग्री और 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा। बनिहाल में न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री और भदरवाह में 1.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजौरी में तापमान हिमांक बिंदु से थोड़ा नीचे -0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कठुआ में अतिक्रमण हटाओ अभियान तेज

कठुआ, 17 जनवरी (हि.स.)। नगर परिषद कठुआ द्वारा शनिवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान एडीसी कठुआ विश्वजीत सिंह के नेतृत्व में नगर परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कॉलेज रोड क्षेत्र में चलाया गया। अभियान के दौरान जिला सचिवालय के समीप बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों को हटाया गयाए जबकि फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई।

एडीसी विश्वजीत सिंह ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है और भविष्य में भी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिए कि वे अपना सामान दुकान के अंदर ही रखें और दुकानों के आगे बने फुटपाथ को पूरी तरह खाली रखें ताकि राहगीरों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण के कारण लोगों को सड़क के बीच से चलना पड़ता है जिससे आए दिन सड़क हादसों की आशंका बनी रहती है। फिलहाल यह अभियान कॉलेज रोड तक सीमित रहा लेकिन आने वाले दिनों में इसे शहर के अन्य क्षेत्रों में भी चलाया जाएगा। हालांकि अभियान के कॉलेज रोड तक सीमित रहने पर स्थानीय दुकानदारों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मुखर्जी चौक और शहीदी चौक जैसे अत्यधिक व्यस्त इलाकों में भी भारी अतिक्रमण है जहां फुटपाथों पर दुकानों का सामान और चौक के बीचों.बीच वाहन खड़े रहते हैं लेकिन वहां आज कोई कार्रवाई नही की गई। दुकानदारों ने प्रशासन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया है।इस पर एडीसी विश्वजीत सिंह ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाओ अभियान चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में कठुआ शहर के सभी व्यस्त इलाकों में यह अभियान चलाया जाएगा। जो भी दुकानदार फुटपाथ पर सामान रखते पाए गएए उनका सामान जब्त किया जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। इसके साथ ही एडीसी ने सड़क किनारे रेडी.पटरी वालों को भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि खुले में खाद्य सामग्री फ्राई कर लोगों को परोसना स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। हाल ही में रेलवे मार्ग पर एक रेडी.पटरी वाले द्वारा नल के पानी से सब्जियां धोकर बेचने का वीडियो वायरल हुआ था जिस पर भी कड़ा संज्ञान लिया जाएगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि शहर में अतिक्रमण और सार्वजनिक स्वास्थ्य से समझौता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

INDUS EDUTRAIN

N·S·D·C National Skill Development Corporation
Transforming the skill landscape

JOB OPPORTUNITY

Engagement of Vocational Trainers (Contractual Positions)
Gross Monthly Honarium Rs 20000 per month

Indus Edutrain Pvt Ltd, an NSDC empaneled training partner invites **Applications** for contractual positions of Vocational Trainers (**Total No of Positions 424**) to be engaged in Government schools of Jammu and Kashmir (UT)

Pre-Requisite:
1.The candidate should be domicile of **UT of J&K**
2.The selection shall be made on district basis i.e. Candidates hailing from the districts where vacancies exist shall be preferred based on merits. In case of non-availability of candidates within the district, the selection for such trade will be made from other district within the same division.
3. Age limit :18-40 Years (as on 01-01-2026). Age relaxation to be provided as per Govt rules

Trade: Apparel Made ups and Home Furnishing (Positions 47)
(Baramulla 2, Budgam 4, Jammu 17, Kathua 1, Kupwara 4, Poonch 6, Pulwama 7, Rajouri 6)
Eligibility: Post-graduation in Textile and Clothing or Relevant area from a recognized Institute / University, with at least 1-year work/teaching experience in Textile and clothing. OR Graduate in any discipline with ITI Diploma in Sewing Technology trade having NTC/STC/NAC from a recognized institution. OR Graduate in any field with 3 years of teaching/working experience in the relevant field. (However, if the candidate is selected, he/she shall need to acquire SSC certification in the Sewing Machine Operator within 1-year of appointment).

Trade: Automotive (Positions 21)
Eligibility: (Four Wheeler Service Assistant (Position 11) (Jammu 8, Kupwara 1, Shopian 2) Bachelor Degree in Automobile Engineering /Mechanical Engineering from a recognized Institute/University, with at least 1-year work/teaching Experience OR Three years Diploma in Automobile Engineering/Mechanical Engineering from a recognized Institute /University, with at least 3-years work / teaching experience OR B. Voc. (Bachelor in vocational) in Automobile with at least 2-years work /teaching experience)
(Electric Vehicle Service Assistant) (Position 10) (Jammu 1, Kulgam 4 kupwara 2, Shopian 2, Udhampur 3) Bachelor Degree in Automobile Engineering /Mechanical Engineering from a recognized Institute/University, with at least 1-year work/teaching Experience OR Three years Diploma in Automobile Engineering/Mechanical Engineering from a recognized Institute /University, with at least 3-years work / teaching experience OR B. Voc. (Bachelor in Vocational) in Automobile with at least 2-years work /teaching experience)

Trade: Banking, Financial Services and Insurance (Positions 15)
(Budgam 1, Jammu 6, Shopian 4, Srinagar 4)
Eligibility: Post-graduation in commerce/ management/ finance from a recognized institute/university, with at least one year work experience

Beauty & Wellness: (Positions 63)
(Anantnag 1, Bandipora 1, Doda 5, Jammu 15, Kathua 1, Kupwara 7, Pulwama 1, Rajouri 4,Reasi 4, Samba 6,Shopian 6,Srinagar 2, Udhampur 10)
Eligibility: Diploma in Cosmetology/Beauty Therapy/ Beauty Culture from a recognized Institution Minimum1-year work/teaching experience in the relevant field. OR Graduate in any discipline with ITI Diploma in cosmetology trade having STC from a recognized institution. OR Graduate in any field with 3 years of teaching/working experience in the relevant field. (However, if the candidate is selected, he/she shall need to acquire SSC certification in the Assistant Beauty Therapist within 1-year of appointment).

Trade: Construction (Positions 21)
(Jammu 2, Kulgam 4, Kupwara 1, Rajouri 7, Shopian 3, Udhampur 4)
Eligibility: B. Tech. in Civil Engineering from a recognized Institute /University, with at least 1-year work / teaching experience OR Three years Diploma in Civil Engineering with 2-years work / teaching experience

Trade: Electronics and Hardware (Positions 36)
(Doda 9, Jammu 20, Kulgam 6, Udhampur 1)
Eligibility: B.E. / B. Tech. in Electrical/ Electronics /Telecommunication with one-year experience in the relevant field OR Three Years Diploma in Electrical/ Electronics/Electronics/ Telecommunication from recognized board of technical education with 2-years experience in relevant field.

Trade: Healthcare (Positions 18)
(Anantnag 1, Doda 1, Jammu 3, Kishtwar 1, Kupwara 3, Rajouri 4, Shopian 5)
Eligibility: B.Sc. Nursing and Midwifery (4 years) OR 3½ years Diploma in GNM with one-year experience

Trade: IT/ITes (Positions 82)
(Baramulla 9, Budgam 4, Doda 6, Kishtwar 8, Kupwara 7, Poonch 3,Pulwama 11, Rajouri 4 Reasi 13 Samba 9, Srinagar 1, Udhampur 7)
Eligibility: Bachelor Degree in Computer Application/ Computer Science/ Information Technology (BCA, B. Sc./B.E. in Computer Science/ Information Technology) with minimum of 1 year of work experience in the same job role. OR DOEACC A Level Certificate with minimum of 1 year of work experience in the same job role. The suggested qualification is the minimum criteria. However higher qualifications will also be acceptable.

Trade: Media and Entertainment (Positions 15)
(Jammu 11, Ramban 4)
Eligibility: (Story Board Artist) Bachelor's degree in Fine Arts / Graphics and Animation with minimum 1 year of work experience. Desirable: Knowledge and skills in storyboarding.

Trade: Plumbing (Positions 28)
(Baramulla 5, Budgam 6, Doda 3, Jammu 9, Poonch 1, Rajouri 1, Srinagar 3)
Eligibility: B. Tech. in Civil Engineering/Mechanical Engineering / B. Voc. (Bachelor in Vocational) from a recognized Institute /University, with at least 1-year work/teaching experience OR Three Years Diploma in Civil engineering/ Mechanical Engineering with 2 years work/teaching experience.

Trade: Retail (Positions 63)
Baramulla 7, Budgam 2, Doda 9, Jammu 6, Kathua 7, Kupwara 8, Poonch 1, Pulwama 3, Rajouri 10, Reasi 3, Udhampur 2)
Eligibility: (Retail cashier) Bachelors in Business Administration from a recognized University with **2 Years** of Teaching/Work experience **OR** Graduate with Diploma in Retail Management/P.G. Diploma in Marketing with at least 50% marks and **2-year** teaching / work experience. Preference shall be given to higher education with MBA (Retail Marketing).
(Retail Store Operations Assistant) Bachelors in Business Administration from a recognized University with **2 Years** of Teaching/Work experience **OR** Graduate with Diploma in Retail Management/P.G. Diploma in Marketing with at least 50% marks and **2-years** teaching / work experience. Preference shall be given to higher education with MBA (Retail Marketing).

Trade: Tourism and Hospitality (Positions 15)
Eligibility: (Food and Beverage Service assistant) (Positions 8) (Anantnag 8)
Bachelor Degree in Hotel Management from a recognized Institute /University, with at least 3 years' work/teaching experience in Food and Beverage Service. OR Three Year Diploma in Hotel Management from a recognized Institute /University, with at least 5 years' work/teaching experience in Food and Beverage service. OR Master's Degree in Tourism & Travel Management/Administration OR Master's Degree in Hotel/Hospitality Management/Administration & Tourism OR Master's Degree in Hotel/Hospitality Management/Administration OR Master's Degree in Tourism Management, OR Master's Degree in Travel and Tour Management OR Master's Degree in Hotel Management from a recognized institute of Hotel Management. OR Any Equivalent Master's Degree Programme having nomenclature of 'Tourism' or 'Travel' and offered by a UGC recognized University/ Institute may be considered as eligible for the said post.
Eligibility: (Housekeeping Trainee) (Positions 7) (Bandipora 2, Baramulla 2, Kulgam 1, Kupwara 2)
Master's Degree in Tourism & Travel Management/Administration OR Master's Degree in Hotel/Hospitality Management/Administration & Tourism OR Master's Degree in Hotel/Hospitality Management/Administration OR Master's Degree in Tourism Management, OR Master's Degree in Travel and Tour Management OR Master's Degree in Hotel Management from a recognized institute of Hotel Management. OR Any Equivalent Master's Degree Programme having nomenclature of 'Tourism' or 'Travel' and offered by a UGC recognized University/Institute may be considered as eligible for the said post. OR Bachelor Degree in Hotel Management/B. H Sc. from any institute recognized by UGC + at least two- years professional experience in housekeeping department in Hotel industry. OR Three years' diploma after class XII from any recognized institute of Hotel Management + at least five years' professional experience in housekeeping department in Hotel industry OR Graduate in any discipline + P.G. Diploma in housekeeping from a recognized institute of Hotel Management + at least three years professional experience in housekeeping department in Hotel industry.

Note: All positions are purely on Contractual basis. This is not a government job/ Permanent Job Only shortlisted candidates will be called for written exam & interview. Management reserves the Right to accept/ reject an application without assigning any reasons Whatsoever. Number of vacancies may increase or decrease at the time of Engagement. The Application sent through email, Whatsapp or any medium other than the specified shall not be entertained under any circumstances.
Candidates are strictly advised not to pay any money or gratification to any person claiming to offer employment , interview calls or job confirmation on behalf of our organization .Any such demand should be treated as fraudulent.

For further details regarding online application form submission, shortlisted/selected candidates, terms and condition of the engagement please visit: https://indusedutrain.com/ or any query mail us at jkrecruitment25@gmail.com

Last date for receipt of online Application : 28th January 2026
Only Short Listed Candidate will be called for Written Test/Interview

Scan QR or Link for Applying: https://hostwebs.site/ojUb7g

संपादकीय

पैदल यात्रियों की सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाए

जम्मू शहर और उसके आसपास के क्षेत्रों में दिन-ब-दिन वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में पैदल यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो गया है, क्योंकि तेज़ गति से चलने वाले यातायात के बीच सड़कें पैदल चलने वालों के लिए असुरक्षित होती जा रही हैं। यह उल्लेखनीय है कि पश्चिमी देशों तथा ऑस्ट्रेलिया जैसे महाद्वीप-देशों में पैदल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। वहां पैदल चलने वालों को प्रथम अधिकार प्राप्त है और वाहन चालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनके लिए गति धीमी करें या रुकें। इसके विपरीत भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में, पैदल यात्रियों को अपनी सुरक्षा की चिंता स्वयं करनी पड़ती है, क्योंकि वाहन चालक प्रायः उनकी सुरक्षा को महत्व नहीं देते।

यह एक गंभीर मुद्दा है और सरकार को जम्मू क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कानून बनाने चाहिए। फुटपाथों और सड़कों के किनारे अतिक्रमण की समस्या ने स्थिति को और जटिल बना दिया है, जिससे पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रूप से चलने की जगह बहुत कम बची है।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि प्रशासन पर्याप्त फुटपाथों, ज़ेब्रा क्रॉसिंग, पैदल यात्री संकेतों और गति सीमा की व्यवस्था करे, विशेषकर स्कूलों, अस्पतालों और व्यस्त बाज़ारों के आसपास, जहां पैदल आवागमन अधिक रहता है। साथ ही अतिक्रमणकारियों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी और उदाहरणात्मक कार्रवाई करना भी अनिवार्य है, क्योंकि यही दो प्रमुख कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सबसे अधिक प्रभावित कर रहे हैं।

इसके अलावा, समाज के सभी वर्गों—विशेषकर पैदल यात्रियों—को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि सड़कों पर अपेक्षित सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। वाहन चालकों को यह समझना होगा कि सड़कें केवल वाहनों और उनके यात्रियों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए हैं। बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और अन्य लोगों को अपने दैनिक कार्यों के लिए इन्हीं रास्तों से गुजरना पड़ता है।

अतः पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक क्षेत्र में पैदल चलने वालों के लिए पूर्णतः सुरक्षित ढांचा विकसित नहीं हो जाता, तब तक वाहन चालकों के दृष्टिकोण में बदलाव लाना अनिवार्य है, अन्यथा पैदल यात्रियों का जीवन लगातार जोखिम में रहेगा। सरकार, यातायात विभाग और आम नागरिकों को मिलकर सामूहिक पहल करनी होगी, ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधा भी सुनिश्चित की जा सके। इससे जम्मू क्षेत्र सभी के लिए एक बेहतर और सुरक्षित रहने योग्य स्थान बन सकेगा।

स्क्रीन के उजाले में बुझती युवा संवेदनाएँ

सामाजिक अलगाव इस संकट का दूसरा गंभीर पहलू है। आभासी संवाद ने वास्तविक रिश्तों की जगह ले ली है। एक सर्वे के अनुसार मोबाइल के कारण माता पिता और बच्चों के बीच औसत संवाद समय घटकर मात्र दो मिनट रह गया है। जब परिवार में संवाद टूटता है तो भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि मोबाइल लत से ग्रस्त किशोरों में सामाजिक समर्थन की कमी 25 से 30 प्रतिशत अधिक पाई गई है। यह कमी उन्हें आत्मघाती विचारों और आत्म हानि की ओर धकेल सकती है।

-डॉ. संध्या एस चौकसे

आज का भारत युवाओं का भारत है। यही युवा देश की रीढ़ हैं और भविष्य की नींव भी, किंतु विडंबना यह है कि जिन हाथों में कलम किताबें औजार और रचनात्मकता होनी चाहिए, उन्हीं हाथों में आज हर पल एक चमकती हुई स्क्रीन दिखाई देती है। मोबाइल फोन! जिसने दुनिया को हमारी मुट्ठी में समेट दिया, वही अब हमारी संवेदनाओं संबंधों और संतुलन को चुपचाप निगलता जा रहा है। ऐसे में आज मोबाइल आधुनिकता का प्रतीक भर नहीं रहा है, वह घटती मानवीय संवेदनशीलता का सबसे स्पष्ट चेहरा बन चुका है।

डिजिटल क्रांति ने शिक्षा संचार और सूचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर दिए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं। परंतु जब उपयोग की सीमा टूटती है तब वही साधन विनाश का कारण बन जाता है। भारत में आज युवा वर्ग मोबाइल लत का सबसे बड़ा शिकार है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार भारत में लगभग 50 प्रतिशत युवा किसी न किसी रूप में मोबाइल पर निर्भरता या लत के लक्षण दिखा रहे हैं। विश्व स्तर पर लगभग 6.9 प्रतिशत आबादी स्मार्टफोन लत से ग्रस्त मानी जाती है जिसमें भारतीय युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये आंकड़े आज उस गहरी सामाजिक समस्या की चेतावनी हैं जो हमारे सामने खड़ी है।

हाल के वर्षों में मोबाइल से जुड़ी हिंसक और आत्मघाती घटनाएँ समाज को झकझोरने वाली हैं। ओडिशा के जगतसिंहपुर में 21 वर्षीय छात्र द्वारा मोबाइल देखने से रोके जाने पर अपने माता-पिता और बहन की हत्या कर देना। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में किशोर का अपने माता-पिता पिता द्वारा हर वक्त मोबाइल में डूबे रहने से मना किए जाने पर लोहे की छड़ से उन पर हमला कर देना, जिसमें कि पिता की जान किसी तरह बच सकी, लेकिन मां की जान चली गई।

राजस्थान के जयपुर में तेरह साल की एक बच्ची को उसके माता-पिता ने मोबाइल देखने से मना किया और इससे गुस्साई उस बच्ची ने पहले अपने हाथ की नस काट ली, तो उसके अभिभावकों ने इलाज करा कर उसे बचा लिया। मगर अगले ही दिन उसने नदी में कूद कर जान दे दी। छत्तीसगढ़ और सरगुजा की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि मोबाइल अब आदत नहीं रहा बल्कि कई युवाओं के लिए भावनात्मक नियंत्रण का केंद्र बन चुका है। जब मोबाइल उनसे दूर होता है तो उन्हें लगता है जैसे उनका अस्तित्व ही छिन गया हो।

युवा अवस्था लक्ष्य अनुशासन और निर्माण की होती है। परंतु मोबाइल की अंतहीन दुनिया युवाओं को लक्ष्यहीनता की ओर धकेल रही है। घंटों तक रील्स गेम्स और चैट में उलझे रहना पढ़ाई कौशल विकास और शारीरिक गतिविधियों का समय छीन रहा है। अध्ययनों के अनुसार औसतन भारतीय युवा प्रतिदिन चार से छह घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिताते हैं जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन किशोरों के लिए दो घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम को हानिकारक मानता है। इस असंतुलन का परिणाम है एकाग्रता में कमी धैर्य का अभाव और त्वरित आनंद की मानसिकता।

मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल का प्रभाव अत्यंत घातक सिद्ध हो रहा है। सोशल मीडिया पर दिखाई जाने वाली तथाकथित परफेक्ट लाइफ की तस्वीरें युवाओं को निरंतर तुलना के जाल में फँसा देती हैं। लाइक और फॉलोअर्स आत्म मूल्यांकन का पैमाना बन जाते हैं। शोध बताते हैं कि जो किशोर प्रतिदिन चार घंटे से अधिक मोबाइल का उपयोग करते हैं उनमें अवसाद के लक्षण 60 प्रतिशत तक अधिक पाए जाते हैं। मोबाइल लत चिंता अवसाद और नींद विकारों की संभावना को दो से तीन गुना तक बढ़ा देती है। अनिद्रा चिड़चिड़ापन और निर्णय लेने में कठिनाई आज सामान्य समस्याएँ बन चुकी हैं।

सामाजिक अलगाव इस संकट का दूसरा गंभीर पहलू है। आभासी संवाद ने वास्तविक रिश्तों की जगह ले ली है। एक सर्वे के अनुसार मोबाइल के कारण माता पिता और बच्चों के बीच औसत संवाद समय घटकर मात्र दो मिनट रह गया है। जब परिवार में संवाद टूटता है तो भावनात्मक सुरक्षा भी कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि मोबाइल लत से ग्रस्त किशोरों में सामाजिक समर्थन की कमी 25 से 30 प्रतिशत अधिक पाई गई है। यह कमी उन्हें आत्मघाती विचारों और आत्म हानि की ओर धकेल सकती है।

शारीरिक स्वास्थ्य भी इस डिजिटल लत से अछूता नहीं है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों में जलन सिरदर्द गर्दन और पीठ दर्द आम समस्याएँ बन गई हैं। देर रात तक मोबाइल उपयोग से नींद का चक्र बिगड़ता है जिससे हार्मोनल असंतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आती है। खेलकूद और शारीरिक श्रम की जगह बैठकर मोबाइल चलाने की आदत मोटापा आलस्य और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को बढ़ावा दे रही है।

नैतिक और भावनात्मक स्तर पर मोबाइल का प्रभाव और भी चिंताजनक है। इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध अश्लीलता हिंसा और नकारात्मक सामग्री युवाओं की सोच को प्रभावित कर रही है। बार-बार हिंसक दृश्य देखने से संवेदनशीलता घटती जाती है और दूसरों के दुख दर्द के प्रति सहानुभूति कम होती है। साइबर बुलिंग ट्रोलिंग और नफरत भरे संदेश युवाओं को आक्रामक और असहिष्णु बना रहे हैं। त्वरित संतुष्टि की आदत धैर्य जिम्मेदारी और त्याग जैसे मूल्यों को कमजोर कर रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल दोधारी तलवार बन गया है। एक ओर ऑनलाइन संसाधनों ने सीखने को आसान बनाया है वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित उपयोग पढ़ाई में बाधा बन रहा है। नोटिफिकेशन और चैट के बीच गहन अध्ययन संभव नहीं रह जाता। कॉपी पेस्ट संस्कृति मौलिक सोच और विश्लेषण क्षमता को नुकसान पहुँचा रही है। इससे दीर्घकालीन बौद्धिक विकास प्रभावित हो रहा है और युवा शॉर्टकट की मानसिकता के शिकार बनते जा रहे हैं।

साइबर अपराध भी युवाओं के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरा है। फर्जी प्रोफाइल ऑनलाइन ठगी डेटा चोरी और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाएँ युवाओं को मानसिक और आर्थिक रूप से नुकसान पहुँचा रही हैं। निजी तस्वीरों और जानकारी का दुरुपयोग गोपनीयता के हनन को बढ़ावा दे रहा है। अनुभवहीनता के कारण युवा अक्सर इन जालों में फँस जाते हैं।

इस परिस्थितियों में ध्यान यही आता है कि डिजिटल डिटॉक्स आज समय की आवश्यकता बन चुका है। सप्ताह में कुछ घंटे या एक दिन मोबाइल से दूरी मानसिक शांति और संतुलन प्रदान कर सकती है। स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय करना उद्देश्यपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। माता पिता को स्वयं उदाहरण बनना होगा और बच्चों से संवाद बढ़ाना होगा। शैक्षणिक संस्थानों को खेलकूद कला और पुस्तक पाठ जैसी ऑफलाइन गतिविधियों को पुनः केंद्र में लाना होगा।अंततः यह समझना जरूरी है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने स्वामी नहीं यही संतुलन का मूल मंत्र है। यदि आज हमने अपने युवाओं को स्क्रीन से ऊपर उठकर संवेदनशील अनुशासित और जिम्मेदार बनाना नहीं सिखाया तो कल यह डिजिटल सुविधा हमें मानवीय शून्यता की ओर ले जा सकती है।

(लेखिका सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

ईरान का इस्लामिक दुनिया से रिश्तों का जटिल जाल

-विवेक शुक्ला

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। पर ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है।

दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है।

ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है।

ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा शिया विस्तारवादी के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका के कठपुतली मानता है। 1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं।

सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का।

आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है। उन्हें खानपान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है।

इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके। लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को 卐जैश उल अदल卐 नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिए। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे।

ओआईसी में ईरान की स्थिति

ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं। ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया। उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं।

फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा।

ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है।

आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं- लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन से भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं।

दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है लेकिन कई मुस्लिम राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं क्योंकि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है।

ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। पिछले दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40ब महंगाई के खिलाफ थे लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक सचेत बदलाव को दर्शाता है

जिग्मेत नामग्याल

वर्ष 2025 लद्दाख के विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण चरण साबित हुआ, जो मानव विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और आवश्यक सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुँच पर विशेष ध्यान देने के लिए जाना गया। भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में, लद्दाख ने यह दिखाया कि नागरिक-केंद्रित शासन, कुशल योजना और अंतिम मील सेवा वितरण जीवन की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार ला सकते हैं।

यह वर्ष सामाजिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक सचेत बदलाव को दर्शाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विकास के परिणाम केवल भौतिक संपत्ति में नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण में भी मापे जाएँ।2025 की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक जल जीवन मिशन के तहत उल्लेखनीय प्रगति थी, जिसमें 97 प्रतिशत घरों को कार्यात्मक नल कनेक्शन प्रदान किया गया।

बिखरे हुए और ऊँची चोटियों वाले आवासों में सुरक्षित और भरोसेमंद पेयजल उपलब्ध कराना एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल थी। मिशन के तहत लगभग सार्वभौमिक कवरेज ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए पानी इकट्ठा करने की कठिनाई को कम किया और दूरदराज के गांवों में स्वच्छता, पोषण और समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य में सुधार में योगदान दिया।

जनस्वास्थ्य वर्ष के दौरान स्पष्ट प्राथमिकता बनकर उभरा, जिसे स्वास्थ्य क्षेत्र को संघ राज्य क्षेत्र के बजट का लगभग 8 प्रतिशत आवंटन दिखाता है। इस बढ़ी हुई निवेश ने स्वास्थ्य देखभाल संरचना को मजबूत किया, सेवा वितरण का विस्तार किया और गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल तक पहुँच में सुधार किया। लेह में मेडिकल कॉलेज पर प्रमुख कार्य जारी रहे, जो संचालन में आने पर क्षेत्र में तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की उपलब्धता को बदलने के साथ-साथ स्थानीय चिकित्सा शिक्षा को सशक्त करेगा और बाहरी संस्थाओं पर निर्भरता को कम करेगा।

जिला-स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर कारगिल जिला अस्पताल में अत्याधुनिक 3 टेस्ला एमआरआई मशीन का उद्घाटन था। इस उन्नत डायग्नोस्टिक सुविधा ने कारगिल और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए उच्च-स्तरीय इमेजिंग सेवाओं तक पहुँच में सुधार किया, लंबी दूरी के रेफरल की आवश्यकता को कम किया और समय पर निदान और उपचार सुनिश्चित किया। ऐसे हस्तक्षेपों ने रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों पर सीधा और सकारात्मक प्रभाव डाला।

विशेष जागरूकता अभियान सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और जागरूकता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयुष्मान आप के द्वार जैसी पहल ने स्वास्थ्य सेवाओं और लाभार्थी नामांकन को सीधे नागरिकों के द्वार तक पहुँचाया, विशेष रूप से दूरदराज और अल्पसेवित क्षेत्रों में। इन अभियानों ने अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाई और प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं के तहत 100 प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने में योगदान दिया, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई पात्र लाभार्थी स्वास्थ्य सुरक्षा जाल से बाहर न रहे।

शिक्षा और सीखने के परिणामों पर भी 2025 में लगातार ध्यान दिया गया, और लद्दाख कई क्षेत्रों में एक मॉडल के रूप में उभरा। संघ राज्य क्षेत्र ने सर्वोत्तम शिक्षक-छात्र अनुपात बनाए रखा, जिससे छात्रों को व्यक्तिगत ध्यान और बेहतर सीखने के परिणाम मिले। स्कूल अवसंरचना के उन्नयन में महत्वपूर्ण निवेश किए गए, जिसमें डिजिटल कक्षाओं का विस्तार और ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण मॉडलों को बढ़ावा देना शामिल था, जिससे कठिन मौसम और दूरदराज के स्थानों में भी शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित हुई।

विशेष पहलों ने शैक्षिक समावेशन और पहुँच को और मजबूत किया। REWA 2.0 जैसी योजनाओं ने छात्रों को लक्षित सहायता प्रदान की, जिससे उन्होंने भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए शिक्षा तक पहुँच बनाई। इन पहलों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संसाधनों तक पहुँच को सुगम बनाया, छात्रों की शिक्षा में निरंतरता बढ़ाई और लद्दाखी छात्रों में उच्च शैक्षिक आकांक्षाओं को प्रोत्साहित किया।

अच्छा शासन और कुशल सेवा वितरण इन सामाजिक क्षेत्र की उपलब्धियों के प्रमुख साधक बने। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म, वास्तविक समय निगरानी और नागरिक-केंद्रित प्रशासनिक सुधारों ने पारदर्शिता में सुधार किया और योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया। परिणाम-आधारित शासन पर जोर वित्तीय आवंटनों को स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और शिक्षा संकेतकों में दृश्यमान सुधार में बदल देता है। जैसे ही लद्दाख 2026 में प्रवेश करता है, ध्यान इन लाभों को मजबूत करने और मानव विकास परिणामों को और सशक्त बनाने पर रहेगा। प्राथमिकताओं में शेष जल आपूर्ति योजनाओं के तहत सार्वभौमिक कवरेज प्राप्त करना, लेह मेडिकल कॉलेज के निर्माण की गति बढ़ाना, उन्नत डायग्नोस्टिक और टेलीमेडिसिन सुविधाओं का विस्तार, स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों को गहरा करना और डिजिटल और समावेशी शिक्षा पहलों को और सुदृढ़ करना शामिल होगा। कुल मिलाकर, 2025 एक ऐसा वर्ष रहा जब लद्दाख ने अपने मानव विकास के आधार को मजबूत करने में निर्णायक प्रगति की। स्वास्थ्य, शिक्षा और आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता देकर, संघ राज्य क्षेत्र ने अपने सभी नागरिकों के लिए गरिमा, अवसर और कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में सार्थक कदम उठाए हैं। सतत प्रतिबद्धता और समावेशी शासन के साथ, लद्दाख 2026 में इस गति को और आगे बढ़ाने और सामाजिक निवेशों को दीर्घकालिक लचीलापन और समृद्धि में बदलने के लिए अच्छी स्थिति में है।

म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने जीती वॉलीबाल प्रतियोगिता की ट्रॉफी

एजेंसी

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन, प्रयागराज की देख-रेख में स्थानीय सर्वोदय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज भीरपुर में एक दिवसीय जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जनपद की कुल 18 टीमों ने प्रतिभाग किया और म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल विजेता बनी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल एवं शिवाजी स्पोर्टिंग क्लब नैनी के बीच खेला गया, जिसमें म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने शिवाजी स्पोर्टिंग क्लब नैनी को 25-23 व 28-26 अंकों से हराकर जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की चैम्पियन ट्रॉफी जीत ली। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में म्योहाल स्पोर्ट्स हॉस्टल ने बजरंग स्पोर्टिंग क्लब औता को 25-21 व 25-19 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में शिवाजी स्पोर्टिंग क्लब नैनी ने देव स्पोर्ट्स एकेडमी चाका को 25-23 व 25-21 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के दौरान फूलचंद गुप्ता, सतेंद्र पांडेय, मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद व संतोष कुमार ने निर्णायक की भूमिका अदा की। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि प्रयागराज के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने फाइनल मैच शुरू होने से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

पुणे जीटी 2026 जैसी स्पर्धा भारत में साइकिलिंग की लोकप्रियता बढ़ा सकती हैं: सूर्या रमेश थाथू

पटियाला। भारत के सबसे जाने-माने साइकिलिस्ट में से एक सूर्या रमेश थाथू का मानना है कि बजाज पुणे ग्रैंड टूर जैसी और अंतरराष्ट्रीय स्तर की साइकिलिंग स्पर्धा की मेजबानी करने से देश में इस खेल की लोकप्रियता काफी बढ़ सकती है। फिलहाल पटियाला में आने वाले बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 की तैयारी कर रहे सूर्या ने साइकिलिंग को ज़्यादा पहचान दिलाने के लिए भारत में हर साल इसी स्टैंडर्ड की दो से तीन हाई-क्वालिटी रेस की मेजबानी करने की जरूरत पर बल दिया। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 2024 में सर्वश्रेष्ठ साइकिलिस्ट चुने गये सूर्या ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, 'भारत में साइकिलिंग को स्वीकार किया जा रहा है। जरूरत इस बात की है कि देश हर साल उच्च स्तरीय टूर्नामेंट की मेजबानी करे। अगर पुणे जीटी जैसी दो या तीन बड़ी रेस हर साल होती हैं, तो साइकिलिंग भारत में क्रिकेट जैसी लोकप्रिय हो सकती है।' बजाज पुणे ग्रैंड टूर 2026 पुरुषों के लिए भारत की पहली यूसीआई 2.2 कैटेगरी की मल्टी-स्टेज, पांच-दिवसीय कॉन्टिनेंटल साइकिलिंग रेस है। यह पांच-दिवसीय रेस, जो 19 से 23 जनवरी 2026 तक होनी है, इसमें पुणे जिले के अलग-अलग इलाकों में 437 किलोमीटर में फैले चार से ज़्यादा स्टेज शामिल होंगे। रेस में भारतीय दल में 6-6 राइडर्स की दो टीमें शामिल हैं - भारतीय राष्ट्रीय टीम और भारतीय विकास टीम। सूर्या भारतीय राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं।

दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने महाराष्ट्र केसरी को 6-3 से हराया, प्रो रेसलिंग लीग 2026 में बेहतरीन बढ़त

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर 21 ए स्थित नोएडा इनडोर स्टेडियम में 16 दिवसीय प्रो रेसलिंग लीग 2026 खेल के दूसरे दिन रात तक खेले गए दंगल मैच में दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने अपने पहले मुकाबले में महाराष्ट्र केसरी को 6-3 से हराकर सशक्त शुरुआत की। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली की 17 वर्षीय पहलवान सारिका ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पेरिस 2024 की रजत पदक विजेता गुज़मान लोपेज़ युसनेयलिस को 7-0 से मात दी। मुकाबले की शुरुआत महाराष्ट्र केसरी ने 57 किग्रा महिला वर्ग में मनीषा भनवाला की 6-0 की जीत के साथ बढ़त बनाकर की। दिल्ली ने हालांकि पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में शुभम कौशिक की शानदार वापसी के दम पर स्कोर बराबर कर दिया। शुभम ने पावर मिनट में निर्णायक चार अंकों का टेकडाउन लगाते हुए 12-10 से जीत दर्ज की। 53 किग्रा महिला वर्ग में युवा सारिका के दबदबे के बाद महाराष्ट्र की दुडोवा बिल्याना झिवकोवा ने अंजलि को 10-2 से हराकर मुकाबला 2-2 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 125 किग्रा हैवीवेट में महाराष्ट्र के पूर्व यूरोपीय चैंपियन रॉबर्ट बारन ने रोनक को 5-0 से हराकर अपनी टीम को फिर से बढ़त दिलाई।

अपर्णा पोपट: बैडमिंटन के क्षेत्र में महिला खिलाड़ियों का रास्ता आसान करने वाली खिलाड़ी

नई दिल्ली। अपर्णा पोपट का नाम भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ियों में प्रमुखता से लिया जाता है। अपर्णा ने उस दौर में इस खेल में अपना करियर बनाने का निश्चय किया था, जब देश में यह खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और स्पॉन्सरशिप की कमी से जूझ रहा था। अपर्णा पोपट का जन्म 18 जनवरी, 1978 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने मुंबई के बीएआई ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण लिया। बैडमिंटन के प्रति अपर्णा के जुनून ने जल्द ही उनका नाम देश की शीर्ष महिला खिलाड़ियों में शुमार करा दिया। 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक की शुरुआत में अपर्णा ने इंडियन बैडमिंटन पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया था। अपर्णा पोपट 16 बार राष्ट्रीय चैंपियन रही हैं और दो बार ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया। वह लगभग एक दशक तक भारत की एकल खिलाड़ी रहीं। अपर्णा ने 1998 में कुआलालांपुर में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में एकल में सिल्वर मेडल जीता था और वहीं टीम गेम में कांस्य पदक जीता था। 2002 में मैनचेस्टर में कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला एकल में कांस्य और 2006 में मेलबर्न में मिक्स टीम में कांस्य पदक जीता था।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 असिस्टेंट कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेल विधाओं में 323 असिस्टेंट कोच पदों पर भर्ती के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। खेल प्राधिकरण, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था है, जो सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के तहत पंजीकृत है। चयनित असिस्टेंट कोचों की तैनाती देशभर में स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्रों, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों या प्रशिक्षण केंद्रों में की जाएगी। इन पदों के लिए वेतनमान लेवल-6 के तहत ?35,400 से ?1,12,400 तक होगा (पूर्व में पे बैंड-द्धद्ध ?9,300-34,800 + ग्रेड पे ?4,200)।

इन खेलों में होगी भर्ती

असिस्टेंट कोच पदों के लिए जिन खेलों में रिक्तियां निकाली गई हैं, उनमें एथलेटिक्स (28), तीरंदाजी (12), बैडमिंटन (16), बास्केटबॉल (12), बॉक्सिंग (19), कैनोइंग (7), साइक्लिंग (12), फेंसिंग (11), हॉकी (13), फुटबॉल (12), जिम्नास्टिक्स (12), हैंडबॉल (6), जूडो (6), कबड्डी (6), खो-खो (2), रोइंग (11), सेपक टकरॉ (3), शूटिंग (28), स्विमिंग (26), टेबल टेनिस (14), ताइक्वांडो (11), टेनिस (8), वॉलीबॉल (10), वेटलिफ्टिंग (10), कुश्ती (22) और वुशु (6) शामिल हैं।

आरक्षण और योग्यता मानदंड

भर्तियां भारत सरकार की मानक आरक्षण नीति के अनुसार की जाएंगी। इसके अलावा प्रत्येक खेल विधा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी लागू होगा। इन पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आवश्यक योग्यता में साई एनएसएनआईएस, पटियाला या किसी मान्यता प्राप्त भारतीय/विदेशी विश्वविद्यालय से कोचिंग में डिप्लोमा या समकक्ष प्रमाणपत्र शामिल है। इसके अलावा ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई खेल या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के साथ कोचिंग का सर्टिफिकेट, अथवा संबंधित खेल में द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त उम्मीदवार भी पात्र होंगे।

चयन प्रक्रिया और करियर ग्रोथ

उम्मीदवारों का चयन दो चरणों में किया जाएगा – पहले कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन लिखित परीक्षा और उसके बाद कोचिंग एबिलिटी टेस्ट।

असिस्टेंट कोच पद कोच कैडर में ग्रुप 'बी' का एंट्री लेवल पद है। चयनित कोच भविष्य में ग्रुप 'ए' के तहत कोच, सीनियर कोच, चीफ कोच और आगे चलकर हाई परफॉर्मेंस कोच के पद तक पदोन्नति के पात्र होंगे। चयनित उम्मीदवारों की तैनाती देश में कहीं भी की जा सकती है और उनकी वरिष्ठता अखिल भारतीय स्तर पर निर्धारित होगी।

भर्ती से जुड़ी अधिक जानकारी भारतीय खेल प्राधिकरण के आधिकारिक माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने मुंबई में खरीदी करोड़ों की जमीन

एजेंसी

मुंबई। बॉलीबुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी विराट कोहली एक बार फिर अपने रियल एस्टेट निवेश को लेकर चर्चा में हैं। दोनों ने मुंबई के पास अलीबाग के जिराद गांव में दो सटे हुए प्लॉट खरीदे हैं, जिनकी कुल कीमत 37.86 करोड़ रुपये बताई जा रही है। करीब 5.1 एकड़ में फैली इस जमीन में दोनों ने संयुक्त रूप से निवेश किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह सौदा समीरा लैंड एसेट्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक सोनाली अमित राजपूत से किया गया है। डेटा एनालिटिक्स फर्म सीआरआई मैट्रिक्स ने पुष्टि की है कि इस संपत्ति की रजिस्ट्री 13 जनवरी को हुई थी। इस दौरान करीब 2.27 करोड़ रुपये का स्टांप शुल्क अदा किया गया, जबकि लेनदेन की औपचारिकताएं विराट कोहली के भाई विकास कोहली ने पूरी कीं।गौरतलब है कि अलीबाग में यह अनुष्का और विराट का पहला निवेश नहीं है। इससे पहले साल 2022 में दोनों ने करीब 8 एकड़ जमीन 19.24 करोड़ रुपये में खरीदी थी, जहां उन्होंने अपना शानदार हॉलिडे होम बनवाया। बीते कुछ वर्षों में अलीबाग सेलिब्रिटीज के लिए पसंदीदा निवेश स्थल बनकर उभरा है, जहां कई नामी हस्तियां संपत्ति में पूंजी लगा चुकी हैं।

नस्लभेदी टिप्पणी मामले में लिवरपूल की गोलकीपर पर एफए ने लगाया छह मैचों का प्रतिबंध

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) ने नस्लभेदी टिप्पणी के मामले में लिवरपूल की गोलकीपर राफाएला बॉर्गग्राफे पर छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। लिवरपूल के कोच गैरेथ टेलर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि खिलाड़ी अपने प्रतिबंध के पांच मैच पहले ही भुगत चुकी हैं।

ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सितंबर में एफए ने बॉर्गग्राफे के खिलाफ जांच शुरू की थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपनी ही टीम की एक खिलाड़ी के खिलाफ आपत्तिजनक और भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया था। हालांकि, उस खिलाड़ी की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई। गैरेथ टेलर ने टॉटनहैम हॉटस्पर के खिलाफ रविवार को होने वाले विमेंस सुपर लीग (ड्ढस्रु) मुकाबले से पहले पत्रकारों से कहा, 'इस मामले में अब एक अपडेट है। एफए ने अपनी विस्तृत जांच पूरी कर ली है और खिलाड़ी पर छह मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध उस दौरान लागू रहा जब हम मुकाबले खेल रहे थे, इसलिए वह इस सप्ताहांत चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगी। इसके बाद वह चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हम खुश हैं कि अब यह मामला पूरा हो गया है। अब हमारे पास पूरी स्पष्टता है और हम सभी इस प्रकरण से आगे बढ़ सकते हैं। '25 वर्षीय राफाएला बॉर्गग्राफे जुलाई में लिवरपूल से जुड़ी थीं और अब तक विमेंस सुपर लीग में टीम के लिए तीन मुकाबले खेल चुकी हैं। फिलहाल लिवरपूल की टीम लीग तालिका में निचले पायदान पर है।

एसएलआई को लेकर जीतू राय ने कहा- यह भारत में शूटिंग का नया चेहरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय शूटिंग के दिग्गज और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित जीतू राय का मानना है कि आगामी शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) देश में शूटिंग खेल की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगी। उनका कहना है कि यह लीग न केवल खेल की पहुंच को व्यापक बनाएगी बल्कि भारतीय निशानेबाजों के प्रतिस्पर्धात्मक स्तर को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। एसएलआई की फ्रेंचाइजी यूपी प्रोमेथियंस के लॉन्च के मौके पर जीतू राय ने कहा कि यह लीग शूटिंग को आम दर्शकों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, 'यह भारत में शूटिंग का एक नया चेहरा है। यह ऐसा मंच है, जहां दुनिया भर के लोग शूटिंग को देख सकेंगे। भले ही किसी को इस खेल की ज्यादा जानकारी न हो, फिर भी वह इसे देखकर समझ सकता है और अपने भीतर छुपी रुचि व प्रतिभा को पहचान सकता है।' जीतू राय भारत के सबसे सफल पिस्टल निशानेबाजों में से एक रहे हैं। पूर्व विश्व नंबर-1 राय ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कई स्वर्ण पदक जीते और वह पहले भारतीय पिस्टल शूटर बने, जिन्होंने ओलंपिक खेलों के फाइनल में जगह बनाई। रियो ओलंपिक 2016 में उन्होंने चौथा स्थान हासिल किया था। उन्होंने कहा कि फ्रेंचाइजी आधारित लीग जैसे एसएलआई शूटिंग को ज्यादा पारदर्शी और दर्शकों के लिए सुलभ बनाएगी। उन्होंने कहा, 'देश के बाहर लोग शूटिंग को थोड़ा बहुत जानते हैं, लेकिन भारत में अब भी कई लोग नहीं समझते कि यह खेल कैसे खेला जाता है, एक शॉट कैसे लगाया जाता है और इसके पीछे किस तरह की तकनीक और सुविधाएं होती हैं। एसएलआई जैसी लीग के जरिए लोग यह सब नजदीक से देख पाएंगे।' जीतू राय का मानना है कि यह लीग भविष्य के चैंपियनों के लिए लॉन्चपैड साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, 'प्रेरणादायक खिलाड़ी और ज्यादा प्रेरित होंगे। दुनिया भर से प्रतिभाएं आएंगी और भारतीय शूटर और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि शूटिंग लीग ऑफ इंडिया से विश्व स्तरीय चैंपियन निकलकर सामने आएंगे।' नोएडा में यूपी प्रोमेथियंस के लॉन्च के दौरान राय ने फ्रेंचाइजी की अत्याधुनिक शूटिंग रेंज और मल्टी-स्पोर्ट सुविधाओं की भी जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर एसएलआई के विजन के अनुरूप है और भारत में शूटिंग के लिए एक मजबूत और आधुनिक इकोसिस्टम तैयार करता है। उन्होंने कहा, 'यहां की शूटिंग रेंज उच्चतम स्तर की है। जब मैंने स्कूल और वहां की सुविधाएं देखीं, खासकर शूटिंग रेंज के साथ बैडमिंटन और स्विमिंग जैसी अन्य खेल सुविधाएं, तो साफ हो गया।

विराट कोहली एवं कुलदीप यादव ने किए महाकालेश्वर के भस्म आरती दर्शन

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रातः भारतीय क्रिकेट टीम के प्रसिद्ध खिलाड़ी विराट कोहली एवं कुलदीप यादव ने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के प्रातःकालीन भस्म आरती में उपस्थित होकर दर्शन लाभ लिया। दर्शन के बाद महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से अपर कलेक्टर व प्रशासक प्रथम कौशिक एवं सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल द्वारा विराट कोहली एवं कुलदीप यादव का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

ब्रह्म मुहूर्त में विराट कोहली और कुलदीप यादव महाकालेश्वर मंदिर परिसर पहुंचे थे। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। भस्म आरती के समय दोनों खिलाड़ी पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना में लीन दिखाई दिए। उन्होंने भगवान महाकाल के समक्ष नतमस्तक होकर देश, टीम और अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भस्म आरती के दौरान मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं ने भी इन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों की एक झलक पाने की कोशिश की, इस बीच मंदिर प्रशासन द्वारा शांति और अनुशासन बनाए रखा गया।

उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर की भस्म आरती देश-विदेश में अपनी विशिष्ट परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि इस आरती में शामिल होने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। विराट कोहली और कुलदीप यादव ने भी इस अलौकिक और दिव्य वातावरण का अनुभव किया। आरती के पश्चात दोनों खिलाड़ियों ने गर्भगृह के बाहर बैठकर कुछ समय ध्यान किया और मंदिर की प्राचीनता व आध्यात्मिक ऊर्जा को स्वयं में अनुभव एवं लाभ लिया। दर्शन और पूजा-अर्चना के उपरांत महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से दोनों खिलाड़ियों का विधिवत स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक तथा सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने विराट कोहली और कुलदीप यादव को शॉल एवं प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। मंदिर प्रशासन ने दोनों खिलाड़ियों को महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी दी।

खिलाड़ियों का बॉयकॉट खत्म, बांग्लादेश में बीपीएल के मुकाबले फिर से शुरू

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के नाराज़ क्रिकेटरों ने 'खेल के बड़े हित' को ध्यान में रखते हुए अपना बॉयकॉट वापस ले लिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीपीएल) और क्रिकटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (सी) के बीच सहमति बनने के बाद शुक्रवार से बीपीएल मुकाबलों की बहाली का फैसला लिया गया। बॉयकॉट के चलते गुरुवार को छोड़े गए बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मुकाबले अब खेले जा रहे हैं। स्थिति उस समय गंभीर हो गई थी, जब सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने बीसीबी निदेशक नजमुल इस्लाम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। खिलाड़ियों का गुस्सा नजमुल के उन विवादित बयानों के बाद फूटा, जिनमें उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और मेहनताना को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इसके चलते बीसीबी को अपनी प्रतिष्ठित टी-20 लीग के ठप होने का खतरा पैदा हो गया था। मामले को संभालने के लिए बीसीबी ने तुरंत कदम उठाते हुए नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया। इस फैसले को हालात काबू में लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। इसके बाद खिलाड़ियों और बोर्ड के बीच बातचीत तेज हुई, जिसका सकारात्मक नतीजा सामने आया। सीडब्ल्यूएबी के अध्यक्ष मोहम्मद मिथुन ने रात बीसीबी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि खिलाड़ियों को कुछ मुद्दों पर समझौता करना पड़ा है। बीसीबी निदेशक इफ्तेखार रहमान की मौजूदगी में मिथुन ने कहा, 'क्रिकेट के बड़े हित को ध्यान में रखते हुए हमने शुक्रवार से दोबारा खेलने का फैसला किया है। बोर्ड ने हमें भरोसा दिलाया है कि हमारी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए नजमुल इस्लाम से बात की जाएगी।'

फॉर्मूला 1: 2026 सीजन में फेरारी के साथ लुईस हैमिल्टन को मिलेंगे नए रेस इंजीनियर

एजेंसी

लंदन। सात बार के फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन को 2026 सीजन में फेरारी के साथ एक नए रेस इंजीनियर के साथ काम करना होगा। फेरारी ने घोषणा की कि रिकार्डो अदामी को उनकी मौजूदा भूमिका से हटाकर एक नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फेरारी के बयान के अनुसार, रिकार्डो अदामी अब टीम के ड्राइवर अकादमी और पिछले कार परीक्षण कार्यक्रम (टेस्टिंग ऑफ प्रिवियस कार्स प्रोग्राम) का प्रबंधन करेंगे। टीम ने स्पष्ट किया कि हैमिल्टन के नए रेस इंजीनियर की घोषणा समय आने पर की जाएगी। पिछले सीजन में फेरारी के साथ अपने पहले वर्ष में हैमिल्टन और अदामी के बीच रेडियो पर हुई तीखी बातचीत को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आई थीं। हालांकि, हैमिल्टन ने इन अटकलों को खारिज करते हुए इसे 'महज शोर' बताया था। हैमिल्टन ने मई 2025 में कहा था, 'क्या हमारे बीच मतभेद होते हैं? हां, जैसे हर रिश्ते में होते हैं। लेकिन हम उन्हें सुलझा लेते हैं। हम दोनों एक ही लक्ष्य के लिए साथ हैं।' इसके बावजूद, सीजन के अंत तक दोनों के बीच रेडियो पर असहज संवाद जारी रहे। 41 वर्षीय हैमिल्टन के लिए यह सीजन उनके करियर का सबसे निराशाजनक रहा, क्योंकि वह पूरे सत्र में एक भी बार पोडियम पर जगह नहीं बना सके। वहीं, उनके साथी ड्राइवर चार्ल्स लेक्लेर ने पोडियम फिनिश दर्ज की। गौरतलब है कि रिकार्डो अदामी इससे पहले चार बार के विश्व चैंपियन सेबास्टियन फेटेल और स्पेन के कार्लोस सैंज के साथ भी फेरारी में काम कर चुके हैं। वह पिछले 11 वर्षों से मारानेलो स्थित टीम का हिस्सा रहे हैं। फेरारी अगले सप्ताह अपनी नई कार की लिवरी लॉन्च करने जा रही है।

इसके बाद सभी 11 टीमें 26 से 30 जनवरी के बीच बार्सिलोना में बंद दरवाजों के पीछे प्री-सीजन टेस्टिंग में हिस्सा लेंगी। फॉर्मूला 1 का 24 रेसों का 2026 सीजन 8 मार्च को ऑस्ट्रेलिया ग्रां प्री से शुरू होगा। इस सीजन के साथ ही खेल एक नए इंजन युग में प्रवेश करेगा, जिसमें तकनीकी नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं।

आनंद शुक्ला-मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए होगी संगम प्रीमियर लीग

एजेंसी

प्रयागराज। आईपीएल की तर्ज पर खेली जाने वाली संगम प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता अब एक दिवसीय लीग क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रारूप में आयोजित होगी। सभी मुकाबले निर्धारित 40-40 ओवर के खेले जायेंगे। यह प्रतियोगिता अब आनंद शुक्ला-मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए होगी। इसमें भाग लेने के लिए छह टीमों के नाम तय किये गये हैं। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश द्विवेदी ने शुक्रवार को बताया कि कुछ अपरिहार्य कारणों से लीग के प्रारूप में बदलाव किया गया है। प्रतियोगिता 11 से 26 फरवरी तक केपी इंटर कॉलेज मैदान में पर आयोजित की जायेगी। सभी मुकाबले 40-40 ओवर के होंगे। विजेता टीम को 75,000 रुपये और उपविजेता टीम को 45,000 रुपये की पुरस्कार राशि दी जायेगी। प्रत्येक मैन ऑफ दि मैच को 2000 रुपये मिलेंगे। इसके लिए छह टीमों जस्टिस एसएन द्विवेदी एकादश, चीफ जस्टिस एस. के. वर्मा एकादश, चीफ जस्टिस अमिताव बनर्जी एकादश, चीफ जस्टिस एचएन सेठ एकादश, जस्टिस यशोदा नंदन एकादश और जस्टिस एएन वर्मा एकादश का चयन किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसमें संगम प्रीमियर लीग में पंजीकृत खिलाड़ी ही चयन ट्रायल में भाग लेने के पात्र होंगे। चयन ट्रायल 25 एवं 26 जनवरी को केपी इंटर कॉलेज मैदान पर किए जाएंगे। जो पंजीकृत खिलाड़ी संशोधित प्रारूप में भाग नहीं लेना चाहते हैं, वे चयन ट्रायल प्रारम्भ होने से पूर्व इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन से अपना पंजीकरण शुल्क वापस प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। खिलाड़ियों के चयन के लिए एक चयन समिति का गठन किया गया है, जिसमें अनुराग श्रीवास्तव (अध्यक्ष), एलबी काला (सदस्य), प्रशांत मालवीय (सदस्य) हैं। चयनित खिलाड़ी टूर्नामेंट में अपनी-अपनी टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बिग बैश लीग में स्टीव स्मिथ ने रचा इतिहास

एजेंसी

मेलबर्न। बिग बैश लीग में ऑस्ट्रेलिया के स्टार खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने शतकीय पारी खेलते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वो इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बिग बैश लीग में इतिहास रच दिया। सिडनी सिक्सर्स और सिडनी थंडर के बीच खेले गए हाई-वोल्टेज डर्बी मुकाबले में स्मिथ ने अपना चौथा बीबीएल शतक जड़ते हुए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। इस शतक के साथ ही स्मिथ ने डेविड वॉर्नर और बेन मैकडरमॉट को पीछे छोड़ दिया। उनकी विस्फोटक पारी में पांच चौके और नौ छक्के शामिल थे, जिससे उनका स्ट्राइक रेट 238.09 रहा। रन चेज के दौरान स्मिथ ने रयान हैडली के एक ओवर में 32 रन बटोरे, जिसमें लगातार चार छक्के और एक चौका शामिल था। यह ओवर बीबीएल इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

प्रो रेसलिंग लीग: हरियाणा थंडर्स ने पंजाब रॉयल्स को 7-2 से हराकर की शानदार शुरुआत

एजेंसी

नोएडा। हरियाणा थंडर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 में अपने पहले मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब रॉयल्स को 7-2 से करारी शिकस्त दी। शुक्रवार देर रात खेले गए इस मुकाबले में हरियाणा ने शुरुआती बढ़त बनाकर अंत तक दबदबा बनाए रखा। मैच की प्लेयर ऑफ द मैच रहीं नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में पंजाब की कप्तान रोक्साना ज़ासीना को 8-0 से मात देकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियन और एशियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता प्रिया मलिक को 76 किग्रा महिला वर्ग में जुझारू प्रदर्शन के लिए फाइटर ऑफ द मैच चुना गया। प्रो रेसलिंग लीग 2026 का आयोजन 15 जनवरी से 1 फरवरी तक नोएडा इंडोर स्टेडियम में किया जा रहा है।

हरियाणा ने मुकाबले की शुरुआत शानदार अंदाज में की। 86 किग्रा वर्ग में अशिरोव अशरफ ने रोमांचक मुकाबले में टारियल गैफ्रिंडाशविली को 6-5 से हराया। हालांकि, 74 किग्रा वर्ग में पंजाब के चंद्रमोहन ने पावर मिनट का फायदा उठाते हुए परविंदर को 13-6 से हराकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला पूरी तरह हरियाणा के पक्ष में चला गया। नेहा सांगवान ने 57 किग्रा महिला वर्ग में रोक्साना ज़ासीना को एकतरफा अंदाज में 8-0 से हराकर हरियाणा को बढ़त दिलाई।

62 किग्रा वर्ग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता इरीना कोलियाडेंको ने एना गोडिनेज को 15-2 से पराजित करते हुए बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद अंकुश चंद्रम ने चिराग छिकारा को 5-2 से हराया, जबकि 65 किग्रा वर्ग में तुमुर ओचिर तुल्गा ने इस्लाम गुसेनोव को 15-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर मात दी। 76 किग्रा महिला वर्ग का मुकाबला सबसे ज्यादा रोमांचक रहा, जहां प्रिया मलिक और काजल ढोच्छक के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा, लेकिन अंतिम अंक के आधार पर काजल ने जीत दर्ज कर हरियाणा को 6-1 की बढ़त दिलाई। पंजाब के लिए दिनेश धनखड़ ने हेवीवेट वर्ग में अनिरुद्ध गुलिया को 7-3 से हराकर स्कोर 6-2 किया। दिन के आखिरी मुकाबले में हरियाणा की युई सुसाकी और पंजाब की हंशिका लांबा आमने-सामने थीं। यह मुकाबला फॉरफिट के जरिए ओलंपिक चैंपियन और चार बार की विश्व चैंपियन सुसाकी के नाम रहा, जिससे हरियाणा थंडर्स ने 7-2 से शानदार जीत दर्ज की। लीग के तीसरे दिन आज डबल हेडर होंगे, जिसमें पहला मुकाबला शाम 6:30 बजे टाइगर्स ऑफ मुंबई बनाम यूपी डोमिनेटर्स और दूसरा मुकाबला रात 8:00 बजे दिल्ली दंगल वॉरियर्स बनाम हरियाणा थंडर्स के बीच खेला जाएगा।

मारुति सुजुकी इंडिया ने 'विक्टोरिस' मॉडल का निर्यात शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी मिड-साइज एसयूवी 'विक्टोरिस' को विदेशी बाजारों के लिए निर्यात करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने 'विक्टोरिस' मॉडल को घरेलू बाजार में पिछले साल सितंबर में पेश किया था। मारुति सुजुकी इंडिया ने जारी बयान में कहा कि मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से इस मॉडल की 450 से अधिक इकाइयां वैश्विक बाजारों के लिए रवाना की गई हैं। इस एसयूवी को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में 'एक्रॉस' नाम से बेचा जाएगा। कंपनी ने बताया कि इस वाहन को करीब 100 देशों और क्षेत्रों में बेचे जाने की उम्मीद है, जिनमें लैटिन अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि सितंबर 2025 में लॉन्च हुई विक्टोरिस उसी सुजुकी ग्लोबल सी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिस पर मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा और टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइराइडर बनी हैं। कॉम्पैक्ट एसयूवी की 450 से ज्यादा यूनिट्स की पहली खेप गुजरात के मुंद्रा और पिपावाव बंदरगाहों से भेजी गई है। हाल ही में मारुति सुजुकी विक्टोरिस ने ग्लोबल एनसीएपी और भारत एनसीएपी दोनों में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की है, जिससे पैसेंजर की सुरक्षा और ओवरऑल सेफ्टी स्टैंडर्ड के मामले में इसकी विश्वसनीयता और मजबूत हुई है। इस मॉडल को जापान मोबिलिटी शो-2025 में भी दिखाया गया था, जिससे इसे ग्लोबल दर्शकों के सामने जल्दी पहचान मिली और इसकी इंटरनेशनल अहमियत भी सामने आई।

न्यूमी ने जयपुर में खोला नया स्टोर

जयपुर। जैन-जी महिलाओं के लिए भारत के सबसे तेज़ी से विकसित होते ओमनीचैनल फैशन-टेक ब्राण्ड्स में से एक न्यूमी ने जयपुर में अपने पहला स्टोर लॉन्च किया। जयपुर से जुड़े ने सह-संस्थापक एवं सीईओ, सुमित जसोरिया ने बताया कि गुलाबी नगरी में तीन हजार वर्गफीट में फैला न्यूमी का पहला स्टोर प्रीमियम हाई-स्ट्रीट स्टोर है, जो वैशाली सर्कल, ब्लॉक सी में स्थित है। इस स्टोर के साथ ब्राण्ड पहला दो-मंज़िला रीटेल फॉर्मेट भी लेकर आया है, जिसे खरीदारी के अनुभव को बेहतरीन बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये स्टोर का लुक जयपुर की शाही एवं राजसी विरासत से प्रेरित है- जहां रानियों जैसे चित्रों से लेकर बेहतरीन डिज़ाइन- न्यूमी के आधुनिक, ट्रेंडी एवं जैन-ज़ी लुक के साथ बखूबी संयोजित हो जाते हैं। एक आकर्षक इंस्टाग्राम कॉर्नर खरीदारों को न्यूमी के आउटफिट्स स्टाइल करने और इन पलों को यादगार बना लेने के लिए आमंत्रित करता है, यह खास कॉर्नर दर्शाता है कि आज की जैन ज़ी महिलाएं फैशन को किस तरह अपनाती हैं। जसोरिया ने बताया कि आने वाले महीनों में ब्राण्ड ने जोधपुर एवं उदयपुर जैसे शहरों में प्रवेश के साथ राजस्थान के मार्केट में विस्तार की योजनाएं बनाई हैं। 2022 में अपनी शुरुआत के बाद से न्यूमी अपने टेक्नोलॉजी-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ देश भर में 17 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है, ब्राण्ड हर सप्ताह 1000 से अधिक नए डिज़ाइन लेकर आता है। अपने इन्वेंटरी-लाइट मॉडल और फुर्तीली आपूर्ति श्रृंखला के साथ ब्राण्ड रियल-टाईम फैशन ट्रैन्ड्ज़ को ध्यान में रखते हुए अपने प्रोडक्ट्स लेकर आता है।

डाक से भेजे जाने वाले माल पर 15 जनवरी से निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं लागू: सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने भारत के ई-कॉमर्स सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए बड़ा पॉलिसी बदलाव किया है। सीबीआईसी ने कहा कि आरओडीटीईपी और आरओएससीटीएल जैसी निर्यात प्रोत्साहन योजनाएं अब डाक के जरिए भेजे जाने वाले माल पर भी लागू होंगी। वित्त मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि इसके तहत पोस्टल रूट से भेजे जाने वाले सामानों पर भी जरूरी निर्यात प्रोत्साहन दिए जाएंगे। 15 जनवरी, 2026 से लागू होने वाला यह कदम छोटे एक्सपोर्टर्स को ग्लोबल ट्रेड नेटवर्क में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इन प्रोत्साहनों से सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्यम (एमएसएमई) निर्यातकों विशेष रूप से छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों के निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है और डाक निर्यात को काफी बढ़ावा मिलेगा। मंत्रालय ने कहा, ''सीबीआईसी ने 'ड्यूटी ड्रॉबैक', निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं करों की छूट (आरओडीटीईपी) और राज्य एवं केंद्रीय करों तथा शुल्क की छूट (आरओएससीटीएल) योजनाओं के तहत निर्यात से संबंधित लाभों को 15 जनवरी से डाक के जरिए इलेक्ट्रॉनिक रूप में किए गए निर्यातों तक विस्तारित कर दिया है।''

अवैध वॉकी-टॉकी बेचने के लिए मेटा, अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो पर लगा 10-10 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में दिग्गज ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करने के लिए सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने अमेजन-फ्लिपकार्ट समेत 8 ई-कॉमर्स कंपनियों पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने अनधिकृत वॉकी-टॉकी की लिस्टिंग और बिक्री के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट, मेटा (फेसबुक मार्केटप्लेस) और मीशो सहित आठ संस्थाओं पर कुल 44 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, और अमेजन पर 10-10 लाख रुपये और चिमिया, जियो मार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉय पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने अपने जुर्माने का भुगतान कर दिया है, जबकि शेष प्लेटफॉर्म्स से भुगतान का इंतजार है। सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार कानूनों का उल्लंघन करते हुए अनधिकृत वॉकी-टॉकी को सूचीबद्ध करने और बेचने वाले ई-कॉमर्स मंचों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई शुरू की है।

मध्य प्रदेश ने राज्यों की स्टार्ट-अप इको सिस्टम रैंकिंग में लीडर श्रेणी में स्थान रखा बरकरार

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय समारोह में मध्य प्रदेश को राज्य में सशक्त स्टार्ट-अप इको सिस्टम विकसित करने के लिए लीडर श्रेणी में मान्यता प्रदान की गई। मध्य प्रदेश ने इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में अपना लीडर स्थान बरकरार रखते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में राज्यों की स्टार्ट-अप इको सिस्टम रैंकिंग के पांचवां संस्करण का शुक्रवार देर शाम नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजन किया गया। इस अवसर पर देशभर के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्टार्ट-अप इको सिस्टम के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्टार्ट-अप इंडिया की पिछले 10 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत आज दुनिया का थर्ड लार्जेस्ट स्टार्ट-अप इको सिस्टम है। दस साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्ट-अप थे, आज यह संख्या बढ़कर 2 लाख से ज्यादा है। वर्ष 2014 में भारत में सिर्फ 4 यूनिकॉर्न से आज भारत में करीब सवा सौ एक्टिव यूनिकॉर्न हैं। उन्होंने इस तथ्य की सराहना की कि भारत के युवाओं का फोकस रियल प्रोब्लम्स' साल्व करने पर है।

इस राष्ट्रीय समारोह में मध्य प्रदेश को राज्य में सशक्त स्टार्ट-अप इको सिस्टम विकसित करने के लिए लीडर श्रेणी में मान्यता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश ने इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में अपनी लीडरशिप बरकरार रखते हुए निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सशक्त नेतृत्व और दूरदर्शी विज़न तथा मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश ने उद्यमिता को आर्थिक विकास के प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित किया है। स्टार्ट-अप को नीति-स्तरीय सहयोग, वित्तीय सहायता, नवाचार को प्रोत्साहित करने वाली संरचना और जिला स्तर तक पहुँच सुनिश्चित करने की उनकी सोच ने राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने में उत्प्रेरक भूमिका निभाई है। समारोह में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की अपर सचिव रुही खान तथा मध्य प्रदेश स्टार्ट-अप सेंटर की कार्यकारी प्रमुख डॉ. अभा ऋषि द्वारा किया गया। जनसम्पर्क अधिकारी राजेश बैन ने बताया कि विगत 10 वर्षों में मध्य प्रदेश एक अग्रणी स्टार्ट-अप डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश में डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त मात्र 7 स्टार्ट-अप से बढ़कर वर्तमान में राज्य के सभी जिलों में कुल 6,600 से अधिक स्टार्ट-अप सक्रिय हैं। विशेष रूप से इन स्टार्ट-अप में से 48% में कम-से-कम एक महिला संस्थापक हैं, जो समावेशी और समान उद्यमिता के प्रति राज्य की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह उल्लेखनीय प्रगति सशक्त नीतिगत ढांचे और संस्थागत सहयोग का परिणाम है।

बजट के दिन 01 फरवरी को कारोबार के लिए खुले रहेंगे शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार के दोनों सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) इस साल 01 फरवरी को बजट पेश होने के दिन रविवार होने के बावजूद कारोबार के लिए खुले रहेंगे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने निवेशकों को दी जानकारी में बताया सामान्य समय पर कारोबार होगा। ये निवेशकों को बजट की घोषणाओं पर तुरंत प्रतिक्रिया देने का मौका देगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उस दिन वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने निवेशकों को जारी परिपत्र में कहा कि केंद्रीय बजट पेश होने के कारण 01 फरवरी को

सामान्य समय के हिसाब से 'लाइव' कारोबारी सत्र आयोजित किया जाएगा। परिपत्र के अनुसार, 'प्री-ओपन मार्केट' सुबह 09 बजे शुरू होकर 9.08 बजे समाप्त होगा और सामान्य कारोबार सुबह 9.15 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक चलेगा। इसी तरह बीएसई ने भी निवेशकों के लिए 01 फरवरी को कारोबार होने से संबंधित परिपत्र जारी किया है। बीएसई के नोटिस के अनुसार 1 फरवरी को 'विशेष कारोबार दिवस' घोषित किया गया है और बाजार सामान्य कारोबारी घंटों के लिए खुले रहेंगे।

भारत-जापान ने आर्थिक, समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करने पर जतायी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यहां जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी के साथ 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान आर्थिक एवं समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला सुदृढ़ीकरण, महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच, उभरती प्रौद्योगिकियां, जन-से-जन संपर्क तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इन क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जतायी।

विदेश मंत्री ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर दोनों नेताओं ने भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी की निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी वैश्विक व्यवस्था को आकार देने और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि इसके

अतिरिक्त, इंडो-पैसिफिक सहित क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। यह संवाद भारत और जापान के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों और दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पहले विदेश मंत्री ने हैदराबाद हाउस में आयोजित बैठक से पूर्व अपने शुरुआती वक्तव्य में कहा कि हम अग्रणी लोकतंत्र और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं। आज हमारे सामने केवल अवसर ही नहीं, बल्कि यह साझा दायित्व भी है कि बदलती और अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों में हम मिलकर सहयोग करें तथा साझा रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप वैश्विक व्यवस्था को सकारात्मक दिशा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि आज आर्थिक सुरक्षा विशेष रूप से सर्वोपरि है। उनका मानना है कि हमारे दोनों देश इसे अत्यधिक महत्व देते हैं ।

पोंडुरु खादी को जीआई टैग, खादी ग्रामोद्योग आयोग ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के पोंडुरु गांव में बनाई जाने वाली खादी को जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग मिल गया है। इस पर खुशी व्यक्त करते हुए खादी ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है।

जीआई टैग टैग मिलने का मतलब है कि अब पोंडुरु खादी की पहचान कानूनी रूप से सुरक्षित हो गई है और कोई भी इसकी नकल नहीं कर सकेगा। आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, पोंडुरु खादी महात्मा गांधी की स्वदेशी सोच से जुड़ी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खादी आज आत्मनिर्भर भारत की पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा जल्द ही पोंडुरु खादी से जुड़े कातने-बुनने वाले कारीगरों को सम्मानित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जीआई टैग पारंपरिक कारीगरों के सम्मान, संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा

कदम है। यह खादी आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के पोंडुरु गांव में बनाई जाती है। इसे स्थानीय लोग पट्नुलु कहते हैं । यह पूरी तरह हाथ से काती और बुनी जाती है। इसमें पहाड़ी कपास, पुनासा कपास और लाल कपास का इस्तेमाल होता है। कपास साफ करने के लिए वलुगा मछली की जबड़े की हड्डी का उपयोग किया जाता है- यह तरीका दुनिया में कहीं और नहीं है । इसकी सूत की बारीकी (यार्न काउंट) 100-120 होती है, जो बहुत ही उच्च गुणवत्ता दर्शाती है। जीआई टैग से पोंडुरु खादी को देश और विदेश में पहचान मिलेगी। कारीगरों की आमदनी बढ़ेगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ग्राहकों को असली और शुद्ध खादी मिलेगी।

वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर ने देशभर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत एक नई मिसाल कायम की है। इस योजना के तहत रायपुर की पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग का सफल संचालन होने से सोसायटी के फ्लैट में रहने वाले 20 परिवारों को बिजली बिल में बड़ी राहत मिलने लगी है। वर्चुअल नेट मीटरिंग सिस्टम स्थापित करने वाला रायपुर देश का पहला शहर बन गया है।इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा उन लोगों को हो रहा है, जो अपार्टमेंट या बहुमंजिला इमारतों में रहते हैं और जिनके पास छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होती। पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी में वर्चुअल नेट मीटरिंग की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी अब इस मॉडल को प्रदेश के अन्य शहरों और क्षेत्रों में भी स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का कहना है कि यह परियोजना छत्तीसगढ़ में

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता और अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ और हरित भारत के विजन से जुड़कर अब अधिक से अधिक लोग सौर ऊर्जा का लाभ उठा सकेंगे। पार्थिवी पैसिफिक रिहायशी सोसायटी में एक ही सोलर प्लांट से 20 फ्लैटों में रहने वाले परिवार बिजली का उपयोग कर रहे हैं, जिससे बिजली खर्च में भी बड़ी बचत हो रही है। यह सोलर प्रोजेक्ट कैपेक्स मॉडल पर लगाया गया है। यानी 20 परिवारों ने अपनी-अपनी राशि लगाकर सोलर प्लांट स्थापित किया और यह प्लांट पूरी तरह उन्हीं की संपत्ति है। पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 24 लाख रुपये आई। प्रत्येक परिवार ने लगभग 1.20 लाख रुपये का निवेश किया है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिली। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस योजना को और आकर्षक बनाते हुए अपनी ओर से 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दे रही है। इससे लोगों पर आर्थिक बोझ और कम होगा।

पार्थिवी पैसिफिक सोसायटी सोलर सिस्टम लगने के बाद इसका सीधा लाभ बिजली बिल में दिखने लगा। इस सिस्टम से सभी फ्लैट के बिजली बिल में सालाना 6 लाख 30 हजार रुपये की बचत होने की उम्मीद है। इसका मतलब यह है कि प्रत्येक परिवार को अपने बिजली बिल पर लगभग 31हजार 500 रुपये की बचत होगी। प्रत्येक परिवार को लगभग 300 यूनिट तक बिजली का क्रेडिट मिलने लगा है, जिससे मासिक बिजली खर्च में अच्छी-खासी कमी आई है। छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग सचिव डॉ. रोहित यादव का कहना है कि वर्चुअल नेट मीटरिंग शहरी उपभोक्ताओं के लिए गेम-चेंजर है। इससे साझा रूप से सोलर ऊर्जा का लाभ मिलता है, बिजली बिल घटता है ।

एयर इंडिया-सिंगापुर एयरलाइंस का कमर्शियल कोऑपरेशन फ्रेमवर्क समझौता

एजेंसी

मुंबई। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइन और सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) ने भारत-सिंगापुर कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने के लिए मुंबई में एक कमर्शियल को-ऑपरेशन फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भविष्य में एक जॉइंट बिजनेस एग्रीमेंट के जरिए एक मजबूत स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की नींव रखेगा। समझौते पर एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन और सिंगापुर एयरलाइंस के सीईओ गोह चून फोंग ने दस्तखत किए। समझौते के तहत दोनों कंपनियां लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत करेंगे, जिससे यात्रियों को बेहतर सेवाएं, ज्यादा रूट ऑप्शन और सुगम यात्रा मिल सकेगी। एयर इंडिया ने कहा कि इस पार्टनरशिप का मकसद भारत और सिंगापुर के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाना है और भविष्य में इसे दूसरे क्षेत्रों तक भी बढ़ाया जा सकता है, ताकि दोनों एयरलाइंस के कस्टमर्स को ज्यादा विकल्प और सुविधा मिल सके। एयरलाइन ने कहा कि रेगुलेटरी मंजूरी और पक्के जॉइंट बिजनेस एग्रीमेंट फाइनल होने के बाद

हम मिलकर बेहतर प्रोडक्ट्स और सर्विसेज़ शुरू करेंगे, फ्लाइट शेड्यूल को कोऑर्डिनेट करेंगे, अलग-अलग जगहों पर आसान ट्रांसफर मुमकिन करेंगे, रूट के विकल्प बढ़ाएंगे और कस्टमर्स को दोनों नेटवर्क पर आसानी से इंटीग्रेटेड यात्रा बुक करने में मदद करेंगे। एयर इंडिया के महाराजा क्लब और एसआईए के KrisFlyer फ्रीक्वेंट फ्लायर प्रोग्राम के सदस्यों के लिए मौजूदा स्टार अलायंस फायदों से परे धीरे-धीरे सुविधाओं को बढ़ाने पर भी विचार किया जायेगा।

पीएफ निकासी से पेंशन पेमेंट सिस्टम तक हुए कई बदलाव, हर कर्मचारियों को जानने चाहिए ये नियम

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बीते साल 2025 बहुत खास रहा, क्योंकि इस दौरान कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ से जुड़े कई अहम बदलाव किए हैं। ये ऐसे बदलाव हैं, जो लगभग सभी कर्मचारियों और पेंशनर्स पर असर डालते हैं। चाहे आप अपनी नौकरी बदल रहे हों, पीएफ निकालने की तैयारी कर रहे हों या नए कर्मचारी हों, आपके लिए इन बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। ईपीएफ योजना में कई प्रावधान होने के कारण पहले पीएफ निकासी प्रक्रिया जटिल थी, ईपीएफ निकासी प्रावधानों को 13 पैराग्राफ से एक पैराग्राफ में सरल बनाया गया है, जिसमें सरल पात्रता शर्तें शामिल हैं, सदस्य अब 75 फीसदी तक पीएफ आसानी से निकाल सकते हैं, जबकि शेष 25 फीसदी सेवानिवृत्ति बचत के लिए खाते में रखना होगा। अब पहले की 13 कैटेगरी को अब तीन में मिला दिया गया है, जिसमें जरूरी जरूरतें (बीमारी, पढ़ाई, शादी), घर से जुड़ी जरूरतें और विशेष परिस्थितियां शामिल हैं, जबकि अब आंशिक निकासी के लिए न्यूनतम सेवा अवधि सिर्फ 12 महीने है।

मैनुअल क्लेम प्रोसेसिंग के कारण क्लेम सेटलमेंट में देरी होती थी, जिसमें सुधार किया गया है। पहले ऑटो एडवांस क्लेम सुविधा, जो पहले बीमारी के लिए थी, उसे घर, शादी और पढ़ाई तक बढ़ाया गया। इसकी लिमिट को 2025 में 5 लाख रुपया किया गया है, जबकि 47.48 फीसदी कुल क्लेम और 72.09 फीसदी एडवांस क्लेम ऑटो मोड में सेटल होते हैं। नौकरी बदलने के समय पीएफ ट्रांसफर के लिए सदस्यों को मैन्युअल रूप से दावा दायर करना होगा जनवरी 2025 से ऑटो ट्रांसफर रिक्वेस्ट सुविधा शुरू हुई, जिसमें सदस्य और नियोक्ता की कोई भागीदारी नहीं थी दिसंबर 2025 तक 65.75 लाख मामले संसाधित हुए, जिससे पीएफ ट्रांसफर निर्बाध हो गया। इससे पहले बैंक खाता सीडिंग के लिए नियोक्ता अनुमोदन आवश्यक होने से देरी होता था। अप्रैल 2025 से नियोक्ता अनुमोदन के बिना बैंक खाता सत्यापन की सुविधा शुरू हुई, 1.07 करोड़ मामले संसाधित हुए। चेक लीफ या पासबुक अपलोड करने में त्रुटियों के कारण होने वाली देरी के कारण एनपीसीआई और सूचीबद्ध बैंकों के माध्यम से ऑनलाइन बैंक सत्यापन शुरू हुआ, बिना चेक अपलोड के दिसंबर तक 4.60 करोड़ दावे संसाधित हुए। पीएफ पासबुक केवल अलग पोर्टल पर उपलब्ध था, सदस्य पोर्टल पर पासबुक लाइट की शुरुआत हुई, जिससे अलग पोर्टल पर लॉगिन की जरूरत नहीं रही।

भारत में 40 करोड़ से ज्यादा हुए 5जी यूजर्स, दुनियाभर में दूसरा नंबर : सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी यूजर्स बेस वाला देश बन गया है। भारत में 400 मिलियन (40) करोड़ से ज्यादा लोग 5जी सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। 5जी के मामले में अब भारत से आगे केवल चीन है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि भारत में चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस है, अब यह दुनिया में इस टेक्नोलॉजी को सबसे तेजी से अपनाने वाले देशों में से एक है। सिंधिया ने आगे लिखा कि 400 मिलियन से ज्यादा 5जी यूजर्स के साथ भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी सब्सक्राइबर बेस बन गया है, जो दुनियाभर में सबसे

तेज़ी से इसे अपनाने वाले देशों में से एक है। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की 5जी कहानी स्केल, स्पीड और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में नए ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी मार्केट है। शहरों से लेकर गांवों तक हाई-स्पीड इंटरनेट ज्यादा से ज्यादा इलाकों तक पहुंच रहा है और देश के हर कोने को जोड़ रहा है। यह भारत की डिजिटल यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर है।

निसान के संचार प्रमुख बने गगन मंगल

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने श्री गगन मंगल को अपने संचार विभाग का प्रमुख नियुक्त किया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि श्री मंगल की नियुक्ति 12 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। गुरुग्राम निवासी श्री मंगल निसान मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक सौरभ वत्स के साथ मिलकर काम करेंगे। वह कंपनी के अंतर्राष्ट्रीय संचार उपाध्यक्ष कैथरिन जाचारी के समक्ष होंगे।

श्री वत्स ने कहा, 'हमारे सफर के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर निसान मोटर इंडिया में हम गगन का स्वागत करते हैं। उनके पास वाहन उद्योग में संचार के क्षेत्र में व्यापक विशेषज्ञता और भारतीय मीडिया को लेकर मजबूत समझ है। हम अपने ब्रांड रीसर्जेंस को गति दे रहे हैं और आकर्षक उत्पादों के लॉन्च की तैयारी में हैं। ऐसे में गगन का नेतृत्व हमारी संचार रणनीति को मजबूत करने और देश में निसान को लेकर मजबूत रुख बनाने में मददगार होगा। ' निसान से जुड़ने से पहले श्री मंगल वॉक्सवेगन इंडिया से जुड़े थे। वहां वह प्रेस एवं विपणन संचार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वह प्रबंधन में स्नातक हैं और उनके पास कॉरपोरेट संचार विपणन क्षेत्र में 18 साल का अनुभव है। उन्होंने वॉक्सवेगन और हुंडई समेत अग्रणी वाहन निर्माता कंपनियों के साथ काम किया है।

उतार चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, मजबूती के बावजूद निवेशकों को लगी 46 हजार करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो कारोबारी दिन गिरावट का सामना करने के बाद आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के थोड़ी देर पहले ही मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मेटल, फार्मास्युटिकल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 45 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 467.72 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.18 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 46 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,394 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,875 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,360 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,908 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,233 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,675 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 288.08 अंक की मजबूती के साथ 83,670.79 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद बाजार में कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा। पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे अगले 1 घंटे में सेंसेक्स 752.26 अंक की तेजी के साथ 84,134.97 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी कमजोरी आ गई। राहत की बात यही रही कि मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के बावजूद ये सूचकांक दिन भर ग्रीन जोन में ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 564.62 अंक फिसल कर 187.64 अंक की तेजी के साथ 83,570.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 30.45 अंक उछल कर 25,696.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती आधे घंटे के कारोबार में इस सूचकांक की चाल मामूली उतार चढ़ाव के साथ आगे बढ़ती रही। इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी।

ईरान के समर्थन में बगदाद में बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया गया

एजेंसी

बगदाद। ईरान को लेकर अमेरिकी धमकियों के खिलाफ इराक की राजधानी बगदाद में एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों इराकी नागरिकों ने भाग लिया।यह जानकारी स्पुतनिक संवाददाता ने शनिवार को दी। ईराक में हजारों आम नागरिकों और शिया समूहों के समर्थकों ने अमेरिकी खतरों के बीच ईरानी क्षेत्र पर हमला करने के खिलाफ बगदाद में ईरानी दूतावास के सामने प्रदर्शन किया, जिसमें ईरान और ईरानी नागरिकों का समर्थन किया। इराकी प्रदर्शकारियों ने अमेरिकी और इजरायली विरोधी नारे लगाए और अमेरिकी और इजरायली झंडे जलाने की कोशिश की। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, श्री नेतन्याहू ने राष्ट्रपति ट्रम्प से ईरान पर किसी भी नियोजित अमेरिकी सैन्य हमले को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि श्री ट्रम्प ने ईरान पर हमला करने के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। दिसंबर के अंत में श्री ट्रम्प ने कहा था कि अगर ईरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को विकसित करना जारी रखने की कोशिश करता है, तो वह ईरान पर नए तरह से हमले करेंगे। बाद में, ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच, राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी कि अगर किसी भी प्रदर्शनकारी की हत्या हुई तो वह एक शक्तिशाली हमला करेंगे।

ईयू-मर्कोसुर के बीच होगा व्यापार समझौता

पराग्वे। यूरोपीय संघ (ईयू) दक्षिण अमेरिकी सामान्य बाज़ार मर्कोसुर पराग्वे की राजधानी असुनसियन में अपने लंबे समय से इंतज़ार किये जा रहे व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा हस्ताक्षर समारोह में संघ का प्रतिनिधित्व करेंगे। दक्षिण अमेरिकी ब्लॉक का प्रतिनिधित्व पराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना और उरुग्वे के राष्ट्रपति यामांडू ओरसी करेंगे। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति हाविएर मिले भी इस समारोह में शामिल हो सकते हैं। ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा ने अपने शामिल होने की पुष्टि नहीं की है।

चीन का शिजियान-32 उपग्रह प्रक्षेपण मिशन विफल

शीचांग। चीन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शिजियान-32 उपग्रह का प्रक्षेपण विफल रहा। इसके प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट का उपयोग किया गया था। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के प्रक्षेपण केंद्र से

रॉकेट ने 00:55 बजे (बीजिंग समयानुसार) उड़ान भरी लेकिन उड़ान के दौरान एक असामान्य घटना घटित हुई। विफलता के कारणों की जांच की जा रही है।

चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पावर लाइन का संपर्क टूटा: परमाणु ऊर्जा एजेंसी

ऑस्ट्रिया। सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन को क्षति पहुंचने के बाद यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने यह जानकारी दी है। एजेंसी ने एक बयान में कहा, ' यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर पिछले हफ्ते सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन क्षतिग्रस्त हो गया, जो इसकी ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत ज़रूरी था। इसके बाद एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया। यह घटना एक बार फिर परमाणु सुरक्षा के लिये भरोसेमंद विद्युत ग्रिड बुनियादी संरचना के महत्व को दिखाती है।

' एजेंसी ने कहा कि यह संपर्क टूटना इस हफ्ते की कई घटनाओं में से एक था जिसमें सैन्य गतिविधि ने यूक्रेन की परमाणु इकाइयों में सुरक्षा को प्रभावित किया। श्री ग्रॉसी ने कहा, ' उप-स्टेशन को नुकसान पहुंचने के बाद, चरनोबिल संयंत्र को दूसरी लाइनों से बाहर से ऊर्जा मिलती रही। यह रुकावट दिखाती है कि ज़रूरी सुरक्षा प्रणाली को चलाने के लिए ज़रूरी बिजली की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करने में उप-स्टेशन कितनी ज़रूरी भूमिका निभाते हैं। ' उल्लेखनीय है कि श्री ग्रॉसी ने दिसंबर में रूस की सरकारी समाचार एजेंसी नोवोस्ती को बताया था कि चरनोबिल में आपातकालीन ऊर्जा इकाई को हटाने के काम का कुछ हिस्सा सार्कोफैगस को हुए नुकसान के कारण धीमा करना पड़ा या रोकना पड़ा।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या, पेट्रोल के पैसे मांगने पर हुए झगड़े के बाद कार ने कुचला

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा अपनी चरमसीमा पर पहुंच गई है। ताजा मामले में बांग्लादेश के राजबारी जिले के सदर उपजिला में एक हिंदू व्यक्ति को जानबूझकर गाड़ी से कुचलकर मार दिया गया। पूरे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की जो तस्वीरें आ रही हैं, वह काफी परेशान करने वाली है। मरने वाले की पहचान 30 साल के रिपन साहा के तौर पर हुई है। रिपन राजबाड़ी में गोलंदा मोड़ के पास करीम फिलिंग स्टेशन पर काम करता था। बता दें, जिस शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया है, उसका बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के साथ गहरा कनेक्शन है। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने पुलिस और स्थानीय चश्मदीदों के हवाले से बताया कि यह घटना हुई जब तेल के पैसे मांगने पर ड्राइवर ने साहा को कुचल दिया। घटना के बाद रिपन की

मौके पर ही मौत हो गई।

राजबाड़ी सदर पुलिस स्टेशन के ऑफिसर-इन-चार्ज खोंडकर जियाउर रहमान ने घटना की पुष्टि की और बताया कि पुलिस ने बाद में गाड़ी जब्त कर ली और उसके मालिक, बीएनपी की राजबाड़ी डिस्ट्रिक्ट यूनिट के पूर्व ट्रेजरर, अबुल हशेम को सदर उपजिला में उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आगे कहा कि ड्राइवर, कमल हुसैन को भी बनिभाह निजपारा गांव से हिरासत में लिया गया। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीडीन्यूज24 ने रहमान के हवाले से कहा, 'यह कोई एक्सीडेंट नहीं है। हम हत्या की शिकायत दर्ज कराएंगे। फ्यूल के पैसे देने से मना करने पर वर्कर कार के सामने खड़ा हो गया, और ये लोग उसे कुचलकर भाग गए।' करीम फिलिंग स्टेशन के कर्मचारियों ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि एक काली लैंड क्रूजर ने शुक्रवार सुबह फिलिंग स्टेशन से 5,000 बांग्लादेशी टका का फ्यूल लिया। जब रिपन साहा ने बिना पैसे दिए गाड़ी को जाने से रोकने की कोशिश की, तो ड्राइवर ने उसे कुचल दिया और मौके से भाग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बता दें, यह एक महीने में दसवीं हत्या है जो पूरे बांग्लादेश में हिंदू समुदायों को निशाना बनाकर हिंसा में बढ़ोतरी को दिखाती है। इस हफ्ते की शुरुआत में फेनी जिले के दगनभुइयां उपजिला में बदमाशों ने एक और हिंदू आदमी की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। 27 साल के ऑटो-रिक्शा ड्राइवर समीर दास की लाश सोमवार को बांग्लादेश के जगतपुर गांव में एक फसल के खेत से मिली। इससे पहले 9 जनवरी को भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं पर बार-बार हो रहे हमलों के परेशान करने वाले पैटर्न पर गहरी चिंता जताई थी। भारत ने कहा था कि वह पड़ोसी देश में हालात पर नजर रख रहा है और उम्मीद करता है कि सांप्रदायिक हिंसा के ऐसे कामों से सख्ती से निपटा जाएगा।

मिनेसोटा में तैनात हो सकती है अमेरिकी सेना, ट्रंप ने विद्रोह अधिनियम के तहत कार्रवाई की धमकी दी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका मिनेसोटा में स्थिति पर नियंत्रण करने के लिए सेना तैनात कर सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम के लिए विद्रोह अधिनियम के तहत कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मिनेसोटा में पिछले दिनों हुई गोलीबारी के बाद हो रहे विरोध-प्रदर्शन से हालात खराब हैं।सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को विद्रोह अधिनियम लागू करने की धमकी दी। यह अधिनियम उन्हें विरोध-प्रदर्शन और अन्य तरह की हिंसा से निपटने के लिए शक्ति प्रदान करता है। मिनेसोटा में अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन के एजेंटों की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत के बाद लोग गुस्से में हैं। वह अमेरिका खासतौर पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग संघीय एजेंसी है। इसका काम देश की सीमाओं पर सतर्क रहते हुए आव्रजन कानूनों को लागू कराना है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अगर मिनेसोटा के भ्रष्ट राजनेता कानून का पालन नहीं करते हैं और प्रदर्शनकारियों को आईसीई के देशभक्तों पर हमला करने से नहीं रोकते हैं तो मैं विद्रोह अधिनियम लागू करूंगा। इस पर मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को सीधे राष्ट्रपति से संपर्क करने की कोशिश की। इस बीच बताया गया है कि बुधवार रात नॉर्थ मिनियापोलिस में एक आईसीई अधिकारी ने वेनेजुएला के एक नागरिक के पैर में गोली मार दी।

अमेरिका ने कूटनीति और सैन्य कदमों के जरिए दुनिया की राजनीति की दिशा बदली : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनकी सरकार ने कूटनीति और सैन्य कदमों के जरिए दुनिया की राजनीति की दिशा बदली है। उन्होंने अमेरिका की विदेश नीति और आर्थिक उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा दिया। ट्रंप ने कहा कि विदेशों में अमेरिका के कदमों से जल्दी और स्पष्ट नतीजे निकले हैं। उन्होंने दावा किया, 'मध्य पूर्व में शांति है। किसी ने नहीं सोचा था कि यह संभव होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि एक ही साल के भीतर कई समझौते हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के हस्तक्षेप से भारत और पाकिस्तान जैसे दो परमाणु देशों के बीच टकराव टल गया और इससे 'लाखों लोगों की जान बची। '

ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की परमाणु योजनाओं को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के जरिए अमेरिका ने ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया। उन्होंने आतंकवादी संगठनों के नेताओं के

खिलाफ की गई कार्रवाइयों का भी जिक्र किया, जिनमें आईएसआईएस के संस्थापक और ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी शामिल हैं। उनके अनुसार, इन सख्त कदमों से अमेरिका की सुरक्षा और ताकत बढ़ी है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका ने पकड़ लिया है। उन्होंने मादुरो को 'कानून तोड़ने वाला' बताया और कहा कि 'दुनिया का कोई दूसरा देश यह नहीं कर सकता था।' उनके अनुसार, यह कदम रिश्तों को नए सिरे से बनाने और क्षेत्रीय तनाव कम करने की बड़ी कोशिश का हिस्सा था।

राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका में अब तक का सबसे अधिक विदेशी निवेश आ रहा है। उन्होंने दावा किया, 'करीब 18 ट्रिलियन डॉलर का निवेश हो रहा है और आगे यह आंकड़ा बढ़ सकता है। '

नेपाल में गगन थापा के नेतृत्व वाला गुट ही वैध नेपाली कांग्रेसः चुनाव आयोग

एजेंसी

काठमांडू। निर्वाचन आयोग ने गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस को आधिकारिक मान्यता देने का निर्णय किया है।आयोजित आयोग की बैठक ने निष्कर्ष निकाला कि गगन थापा के नेतृत्व वाला गुट ही वैध नेपाली कांग्रेस है। इस निर्णय के साथ ही पार्टी का चुनाव चिह्न 'पेड़' और चार सितारों वाला झंडा औपचारिक रूप से थापा गुट को सौंप दिया गया है।

इस फैसले से पार्टी की राजनीतिक विरासत प्रभावी रूप से गगन थापा को स्थानांतरित हो गई है, जिन्हें 11 जनवरी से गुरुवार की सुबह तक आयोजित दूसरी विशेष महाधिवेशन के माध्यम से पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। काठमांडू में आयोजित इस महाधिवेशन ने गगन थापा को नया पार्टी प्रमुख घोषित किया था। इससे पहले दिन में गगन थापा गुट और शेर बहादुर देउबा गुट- दोनों के नेता और कार्यकर्ता अपने-अपने दावे और तर्क प्रस्तुत करने के लिए निर्वाचन आयोग के समक्ष उपस्थित हुए थे। निर्णय के बाद दोनों गुटों के समर्थक आयोग कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए। जहां थापा गुट के समर्थकों ने फैसले का

स्वागत करते हुए जश्न मनाया, वहीं देउबा गुट से जुड़े कार्यकर्ताओं ने असंतोष जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए निर्वाचन आयोग के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे पहले सानेपा स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में देउबा गुट के कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने चेतावनी दी थी कि यदि निर्वाचन आयोग उनकी गुट को आधिकारिक मान्यता नहीं देता है, तो देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

नेपाली कांग्रेस के भीतर आंतरिक विवाद उस समय और गहरा गया, जब पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की सहमति के बिना विशेष महाधिवेशन का आयोजन किया गया। काठमांडू के भृकुटीमंडप में आयोजित इस महाधिवेशन में गगन थापा को पार्टी अध्यक्ष चुना गया था। महाधिवेशन के बाद देउबा गुट ने थापा और उनके सहयोगियों पर 'अवैध' सभा आयोजित करने का आरोप लगाया और गगन थापा के साथ-साथ नेता विश्व प्रकाश शर्मा और फरमुल्लाह मंसूर को पार्टी से निष्कासित कर दिया। तब से देश की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक पार्टी प्रभावी रूप से दो प्रतिद्वंद्वी गुटों में विभाजित बनी हुई है।

नाव आयोग ने गगन थापा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस को मान्यता दी, देउबा गुट नाराज

एजेंसी

काठमांडू । नेपाली कांग्रेस के औपचारिक रूप से बंटने के दो दिन बाद, चुनाव आयोग ने विशेष आम अधिवेशन के जरिए चुनी गई समिति को आधिकारिक पार्टी के रूप में मान्यता दे दी। इस फैसले पर जहां गगन थापा गुट ने खुशी जताई वहीं देउबा गुट ने राष्ट्रव्यापी धरना प्रदर्शन की धमकी दी। 'द काठमांडू पोस्ट' के अनुसार, कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त राम प्रसाद भंडारी की अध्यक्षता में आयोग की एक बैठक में, नए चुने गए गगन थापा के नेतृत्व वाली समिति के दावे को सही ठहराने का फैसला किया गया। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह फैसला बहुमत से लिया गया, क्योंकि एक आयुक्त ने विशेष अधिवेशन के जरिए चुनी गई टीम को वैधता देने का विरोध किया था। पार्टी की जानकारी अपडेट करने के लिए आयोग ने तीन मुख्य आधारों पर भरोसा किया। पहला, नेपाली कांग्रेस का संविधान 40 प्रतिशत आम

अधिवेशन प्रतिनिधियों को विशेष आम अधिवेशन बुलाने की अनुमति देता है, और आयोग ने पाया कि ऐसा अधिवेशन अनिवार्य रूप से आयोजित किया गया था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि जब केंद्रीय कार्य समिति पार्टी संविधान में अनिवार्य प्रावधान का पालन करने में आनाकानी कर रही थी, तो महासचिव थापा और विश्व प्रकाश शर्मा के लिए विशेष अधिवेशन बुलाना वैध था।

दूसरा, संविधान स्पष्ट रूप से आम अधिवेशन प्रतिनिधियों को पार्टी का सर्वोच्च अधिकार मानता है, जिससे उनके फैसले बाध्यकारी हो जाते हैं। तीसरा, आयोग ने पाया कि विशेष आम अधिवेशन की मांग पर कोई दर्ज असहमति नहीं थी, जिससे यह पुष्टि होती है कि इसे संविधान के अनुसार बुलाया गया था। कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, आयोग देउबा गुट को एक नई पार्टी रजिस्टर करने की अनुमति देगा यदि वे नए चुने गए नेतृत्व के तहत नहीं आना चाहते हैं। आयोग के इस फैसले से आम तौर पर राष्ट्रीय राजनीति और विशेष रूप से कांग्रेस में और ध्रुवीकरण होने की उम्मीद है। अगर शेर बहादुर देउबा गुट इस फैसले का विरोध करता है और कानूनी रास्ते अपनाता है, तो इससे मार्च के चुनाव भी बाधित हो सकते हैं। इस गुट ने शनिवार सुबह सनेपा, ललितपुर में पार्टी मुख्यालय में केंद्रीय कार्य समिति की बैठक बुलाई है। इस बीच, थापा ने शुक्रवार शाम को एक बयान जारी कर चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से एकजुट रहने का भी आग्रह किया और कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी लेंगे।

नेपाली कांग्रेस का देउबा गुट निर्वाचन आयोग के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के शेरबहादुर देउबा गुट ने पार्टी अध्यक्ष के रूप में गगन थापा को मान्यता देने संबंधी निर्वाचन आयोग के निर्णय को अस्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती देने का फैसला किया है। यह घोषणा यहां हुई केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद की गयी। पार्टी प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा कि यह निर्णय देउबा गुट से परामर्श किए बिना और उन्हें बुलाए बिना लिया गया।

महत ने कहा, 'निर्वाचन आयोग ने नेपाली कांग्रेस के संबंध में कोई भी निर्णय लेते समय हमें न तो बुलाया और न ही हमारा पक्ष सुना। इस अन्यायपूर्ण निर्णय के आधार पर हम किसी को भी पार्टी अध्यक्ष के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। हमारे अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और कार्यवाहक अध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का हैं। हम ही पार्टी के वैध प्रतिनिधि हैं। ' उन्होंने कहा कि यह गुट इस निर्णय को राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चुनौती देगा। महत ने कहा, 'हम राजनीतिक विरोध शुरू करेंगे और रविवार को सर्वोच्च अदालत में याचिका दायर करेंगे। हमें विश्वास है कि अदालत इस अन्यायपूर्ण निर्णय के खिलाफ स्थगन आदेश जारी करेगी। ' यह घोषणा निर्वाचन आयोग द्वारा 11 से 15 जनवरी तक काठमांडू के भृकुटीमंडप में आयोजित दूसरे विशेष महाधिवेशन के माध्यम से निर्वाचित नेतृत्व को औपचारिक मान्यता दिए जाने के बाद आई है।

'मेरे लिए बड़े सम्मान की बात', मारिया मचाडो से 'नोबेल' मिलने के बाद बोले राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो से मुलाकात की है। ट्रंप ने इस मुलाकात को बड़ा सम्मान बताया और कहा कि व्हाइट हाउस में बंद कमरे में हुई बातचीत के दौरान मचाडो ने उन्हें अपना नोबेल शांति पुरस्कार भेंट किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। वह एक शानदार महिला हैं, जिन्होंने बहुत कुछ सहा है। मारिया ने मेरे काम के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार दिया। यह आपसी सम्मान का एक बहुत अच्छा संकेत था।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो के बीच यह पहली मुलाकात थी, जो व्हाइट

हाउस के प्राइवेट डाइनिंग रूम में लंच के दौरान हुई।

मचाडो ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल दिया। उन्होंने इसे वेनेजुएला और अमेरिका के बीच साझा लोकतांत्रिक परंपराओं में निहित एक प्रतीकात्मक संकेत बताया।

इसी बीच, मचाडो ने फ्रांसीसी जनरल मार्क्विस डी लाफायेट की याद दिलाई। उन्होंने कहा, '200 साल पहले फ्रांसीसी जनरल मार्क्विस डी लाफायेट ने वेनेजुएला के नेता साइमन बोलिवर को जॉर्ज वाशिंगटन की तस्वीर वाला एक मेडल दिया था, जिसे बोलिवर ने अपनी बाकी जिंदगी अपने पास रखा। इतिहास में दो सौ साल बाद, बोलिवर के लोग वाशिंगटन के उत्तराधिकारी को एक मेडल वापस दे रहे हैं। इस मामले में, नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल, हमारी स्वतंत्रता के प्रति उनकी अद्वितीय प्रतिबद्धता की पहचान के रूप में है। '

व्हाइट हाउस की बैठक के बाद मचाडो कैपिटल हिल पहुंचीं, जहां उन्होंने अमेरिकी सीनेटरों के साथ द्विदलीय बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक की मेजबानी सीनेट के डेमोक्रेटिक व्हिप डिक डर्बिन और सीनेट विदेश संबंध समिति की वरिष्ठ सदस्य जीन शाहीन ने की। डिक डर्बिन ने कहा, 'मारिया कोरिना मचाडो एक असाधारण शख्सियत हैं और वेनेजुएला की सरकार व जनता में बदलाव लाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने के कारण नोबेल शांति पुरस्कार की पूरी तरह हकदार हैं। ' वहीं, जीन शाहीन ने चेतावनी दी कि तानाशाह को हटाना लोकतंत्र बहाल करने जैसा नहीं है।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल को 5 साल की जेल

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल को देश में मार्शल लॉ लागू करने की असफल कोशिश से जुड़े मामलों में अदालत ने पांच साल की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सुनाया, जिसने उन्हें सत्ता के दुरुपयोग और न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने सहित कई गंभीर आरोपों में दोषी ठहराया। 65 वर्षीय यून सुक-योल पर आरोप था कि उन्होंने दिसंबर 2024 में सैन्य शासन लागू करने का प्रयास किया, जिससे देश में गंभीर राजनीतिक संकट पैदा हो गया। इस घटनाक्रम के बाद उन्हें पद से हटाया गया और अंततः उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे शुरू हुए। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यून सुक-योल ने आधिकारिक कर्तव्यों में बाधा पहुंचाई, पद का दुरुपयोग किया, सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर की और सबूत नष्ट करने के आदेश दिए। न्यायालय ने यह भी माना कि महाभियोग के बाद उन्होंने गिरफ्तारी से बचने के लिए राष्ट्रपति आवास परिसर में खुद को कई सप्ताह तक बंद रखा और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों का इस्तेमाल निजी हितों के लिए किया।

अदालत के अनुसार, यून ने मार्शल लॉ की घोषणा से पहले कानूनन आवश्यक पूर्ण मंत्रिमंडल की बैठक नहीं बुलाई और बाद में जांच से जुड़े डिजिटल साक्ष्य मिटाने के निर्देश दिए। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अपने निर्णय में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर वैध गिरफ्तारी वारंटों के क्रियान्वयन को रोकने का प्रयास किया। यह सजा मार्शल लॉ से जुड़े चार मामलों में पहला न्यायिक फैसला है। हालांकि, सबसे गंभीर आरोप–देशद्रोह या विद्रोह भड़काने से संबंधित–पर फैसला फरवरी में सुनाया जाना है। अभियोजन पक्ष ने संकेत दिया है कि इस मामले में वे मृत्युदंड की मांग करेंगे। फैसले के बाद अदालत परिसर के बाहर यून सुक-योल के वकील यू जंग-ह्वा ने कहा कि वे इस निर्णय के खिलाफ अपील करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत का फैसला राजनीतिक दबाव से प्रभावित है। वहीं, यून सुक-योल ने शुरू से ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है।

स्थानीय युद्धविराम से ज़ापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में मरम्मत कार्य हुआ संभव : आईएईए

एजेंसी

वियना। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने एक बयान में कहा कि रूस और यूक्रेन द्वारा सहमत स्थानीय युद्धविराम से ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) की क्षतिग्रस्त बैकअप विद्युत लाइन की मरम्मत शुरू हो सकेगी। बयान में कहा गया कि यूक्रेन के विद्युत ग्रिड संचालक के तकनीशियन आने वाले दिनों में 330 केवी लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू करेंगे, जो दो जनवरी को सैन्य गतिविधि के बाद क्षतिग्रस्त हो गई थी और बाधित हो गई थी।

इस बीच, मरम्मत कार्यों का निरीक्षण करने के लिए आईएईए की एक टीम वहां के लिए रवाना हो गई है। वर्तमान में, जेडएनपीपी अपनी एकमात्र चालू 750 केवी मुख्य विद्युत लाइन पर निर्भर है। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने एक बयान में कहा, 'आईएईए, जेडएनपीपी में परमाणु सुरक्षा सुनिश्चित करने और संघर्ष के दौरान परमाणु दुर्घटना रोकने के लिए दोनों पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह अस्थायी युद्धविराम, जो हमारी बातचीत के माध्यम से चौथा है, उस अनिवार्य भूमिका को दर्शाता है जो हम निभाते आ रहे हैं। ' यूरोप की सबसे बड़ी परमाणु सुविधाओं में से एक ज़ापोरिज्जिया संयंत्र मार्च 2022 से रूस के नियंत्रण में है।

बलूचिस्तान और पंजाब प्रांत में हुए दो सड़क हादसों में 23 लोगों ने गंवाई जान, कई घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलूचिस्तान और पंजाब प्रांत में दो अलग-अलग हादसों में कम से कम 23 लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने पूरे पाकिस्तान में सड़क सुरक्षा, तेज रफ्तार और खराब विजिबिलिटी को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पहला हादसा बलूचिस्तान में ग्वादर के पास हुआ। मकरान कोस्टल हाईवे पर एक पैसेंजर गाड़ी के पलट जाने से नौ लोगों की जान चली गई और 36 दूसरे घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा ओरमारा के हुद गोथ इलाके के पास हुआ। जिवानी से कराची जा रही पैसेंजर कोच का कंट्रोल खो गया और गाड़ी पलट गई। गाड़ी एक प्राइवेट ट्रांसपोर्ट कंपनी अल उस्मान की थी।

कोस्टल हाईवे पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार थी। एसपी असलम बंगुलजई ने कहा कि ड्राइवर बहुत ज्यादा रफ्तार के कारण गाड़ी पर नियंत्रण नहीं रख पाया, जिसकी वजह से यह जानलेवा हादसा हुआ। घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और घायलों को ओरमारा तहसील हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस घटना में कई घायल यात्रियों की हालत गंभीर है।

इसकी वजह से अनुमान लगाया जा रहा है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच चल रही है और ड्राइवर और ट्रांसपोर्ट कंपनी के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख जताया और दुखी परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने ग्वादर के डिप्टी कमिश्नर को घायलों को सबसे अच्छा मेडिकल इलाज दिलाने का निर्देश दिया और शवों को पीड़ितों के इलाकों तक पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस सेवा देने का आदेश दिया। एक अन्य मामले में पंजाब के सरगोधा जिले में घने कोहरे के बीच एक मिनी-ट्रक के सूखी नहर में गिरने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा कोट मोमिन तहसील में घालापुर बांग्ला के पास हुआ, जहां बहुत कम विजिबिलिटी के कारण गाड़ी सड़क से उतर गई। बचाव अधिकारियों ने कहा कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सात ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के समय 23 लोग ट्रक में इस्लामाबाद से फैसलाबाद एक अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। कोहरे की वजह से मोटरवे बंद होने के कारण, ड्राइवर ने लोकल रास्ता चुना था। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, जो सभी इस्लामाबाद के रहने वाले थे। रेस्क्यू टीम ने राहत अभियान चलाया और शवों और घायलों को टीएचक्यू अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद अधिकारियों ने खराब मौसम में सावधानी बरतने और ट्रैफिक सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने की बात दोहराई।

page 1 and 8 jan 18_page 1 Mar 25 final ds.qxd 1/17/2026 10:34 PM Page 2

फसल-उत्पादन : पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वपूर्ण

फसल-उत्पाषदन के लक्ष्य हासिल करने में पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वकपूर्ण रही है। पौध संरक्षण के महत्वापूर्ण घटकों में समन्वित कीट प्रबंधन, को प्रोत्साकहन, फसल पैदावार को कीटों और बीमारियों के दुष्र भाव से बचाने के लिए सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों की उपलब्धाता सुनिश्चित करना, ज्या दा पैदावार देने वाली नई फसल प्रजातियों को तेजी से अपनाए जाने के लिए संगरोधन (क्वाचरन्टीन) उपायों को सुचारू बनाना शामिल है। इसके अंतर्गत बाहरी कीटों के प्रवेश की गुंजाइश समाप्ति करना और पौध-संरक्षण कौशल में महिलाओं को अधिकारिता प्रदान करने सहित मानव संसाधन विकास पर भी ध्याान दिया जाता है।

भारत में कीट प्रबंधन दृष्टिकोण को मजबूत बनाने और आधुनिकीकरण के अवयव

समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम) का संवर्धन

टिड्डी नियंत्रण और अनुसंधान

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

कीटनाशक अधिनियम का कार्यान्वयन

एकीकृत कीट प्रबंधन का संवर्धन

रासायनिक कीटनाशकों के बुरे प्रभावों कीट प्रतिरोध के विकास, कीट पुनरूत्थाहन, भोजन, चारा, हवा और पानी में मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक कीटों को घटाने और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए भारत सरकार ने एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) को अपनाया है। आईपीएम पारिस्थितिकी के अनुकूल है और इसका लक्ष्य कीट नियंत्रण के लिए उपलब्ध वैकल्पिक तरीके सांस्कृतिक, यांत्रिक और जैव तथा जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रासायनिक कीटनाशकों का न्यूनतम उपयोग करना है।

जैव नियंत्रण एजेंटों/जैव कीटनाशकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अनुदान निर्धारित किया। आईपीएल दृष्टिकोण अपनाने के बाद कीटनाशकों का उपयोग नीचे आया है। पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित जैव कीटनाशकों के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। कुछ राज्यों में किसानों ने रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल बंद कर दिया है और जैविक खेती को अपनाया है।

टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान

टिड्डी चेतावनी संगठन जोधपुर टिड्डी निगरानी और नियंत्रण के लिए अपने टिड्डी वृत्त कार्यालयों और फील्ड स्टेशन के साथ राजस्थान, गुजरात, और हरियाणा के दो लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखता है। अन्य टिड्डी प्रभावित देशों और एफएओ के साथ टिड्डी के संभावित आक्रमण पर नजर रखी जाती है।

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

1966 तक राज्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत में राष्ट्रीय प्रशिक्षण की कोई सुविधा नहीं थी। इस अंतर को पाटने के लिए हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में 1966 में राष्ट्रीय पादप संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया गया। इस संस्थान को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा पौध संरक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान और विश्व बैंक द्वारा पादप संरक्षण प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान में पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विदेशी प्रशिक्षुओं सहित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

कीटनाशकों अधिनियम के कार्यान्वयन

खाद्य उत्पादन बनाए रखने के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। ये वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में भी प्रयोग में लाए जाते हैं।

उनके आयात, निर्माण, बिक्री और उपयोग आदि को कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत विनियमित किया जा रहा है। इस अधिनियम के प्रावधान किसानों को सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के तहत प्रशासन से उत्पन्न मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह के लिए कीटनाशक अधिनियम, 1968 की धारा 4 के अंतर्गत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड का गठन किया है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं। केंद्र सरकार ने मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण की सुरक्षा दृष्टि से फॉर्मूले की जांच और उनके प्रभाव के बाद कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए पंजीकरण समिति का गठन किया है।

भारत सरकार ने केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला की स्थापना की है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्माता द्वारा प्रस्तावित दावे और कीटनाशकों के गुण, प्रदर्शन और खतरों के पंजीकरण का सत्यापन है। राज्यों में कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए क्षेत्रीय कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालों की स्थापना की गई है।

भारत में पौध संगरोध सुविधाएं

देश में विनाशकारी कीड़े और कीट अधिनियम, 1914 (1914 का अनिनियम 2) के माध्यम से पौध संगरोध उपायों को लागू कर रहे हैं। इस अधिनियम का उद्देश्य, वे कीड़े, कवक या अन्य कीट जो फसलों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं, को रोकना है। बीज विकास, 1988 पर नई नीति के प्रावधानों के माध्यम से डीआईपी अधिनियम, 1914 के तहत जारी पौध संगरोध (भारत में आयात विनियमन) आदेश, 2003 के अंतर्गत कृषि वस्तुओं का आयात नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण को ध्यान में रखते हुए पौधों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डब्ल्यूटीओ के तहत हुए एसपीएस के मद्देनजर पौध संगरोध का महत्व बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन, 1951 के अनुसार योजना के माध्यम से कृषि वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है।

योजना का मुख्य उद्देश्य हैं

विदेशी कीटों फसलों के लिए विनाशकारी होते हैं, विदेशी पौधे और पौध उत्पादन को सीमित या रोक लगाकर विदेशी कीटों का विस्तार और प्रसार रोकना तथा

सक्षम तकनीकी और प्रमाणपत्र सिस्टम के जरिए उत्पादकों और निर्यातकों की मदद से व्यापारिक भागीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करना और कृषि में सुरक्षित विश्व व्यापार की सुविधा प्रदान करना

इस योजना के तहत प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं

भारतीय वनों को प्रतिकूल रोगों और विदेशी कीट से रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण

अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन (आईपीपीसी) के तहत आयातक देश की आवश्यकताओं के अनुसार निर्यात के लिए वस्तुओं का निरीक्षण

घरेलू संगरोध नियमों के तहत विदेशी कीट और रोगों पर नियंत्रण

पोस्ट प्रवेश संगरोध निरीक्षण के तहत रोपण सामग्री के पहचान के संबंध में निरीक्षण

पादप और पादप सामग्री के आयात आवश्यकताओं के लिए कीट जोखिम विश्लेषण (पीआरए) का आयोजन

विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य सीमाओं पर पौध संगरोध नियमों को लागू करने के लिए पौध संगरोध स्टेशन बनाए गए हैं। पौध संगरोध परीक्षण आदि को आधुनिक उपकरणों के साथ एनपीक्यूएस, नईदिल्ली और आरपीक्यूएस, चेन्नई, कोलकाता, अमृतसर और मुंबई में मजबूत बनाया गया है।

ये जहरीले होते हैं इसलिए इनका उपयोग संक्रामक कीटों को मारने में इनका उपयोग होता है। इनका दुरुपयोग मनुष्य, पशु, और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए इनके सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर

अगर आपके गार्डन में लगे पौधे में फूल और फल नहीं आ रहे हैं, या बहुत कम आ रहे हैं तो इसका एक अहम कारण पौधों में पर्याप्त न्यूट्रिशन (पोषक तत्वों) की कमी भी हो सकता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि गार्डन के पौधों में फल और फूल लाने के लिए क्या करें, तो आप उनमें फूलों और फलों को बढ़ाने वाले जैविक फर्टिलाइजर और खाद डाल सकते हैं। कुछ उर्वरकों के इस्तेमाल से पौधों में अच्छी फ्रूटिंग (फल लगना), और फ्लावरिंग (फूल लगना) होने लगती है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि फल और फूल वाले पौधों के लिए कौन सी खाद अच्छी होती है? गार्डन में लगे पौधों में फूल और फल लगने के लिए कौन सी खाद डालें, तथा खाद कब और कैसे डालें? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए इस आर्टिकल को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

पौधों में फूल और फल बढ़ाने वाले पोषक तत्व -गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे पौधों में कली, फूल और फलों की ग्रोथ के लिए फॉस्फोरस और पोटेशियम पोषक तत्व, अन्य पोषक तत्वों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

- फॉस्फोरस युवा जड़ों को मजबूत करने और पौधे की ग्रोथ में मदद करता है।
- पोटेशियम फूलों के खिलने और फलों के पकने में मदद करता है।

इसीलिए पौधों में ज्यादा फूल और फल लाने के लिए उन उर्वरकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें फॉस्फोरस और पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है।

- इसके अलावा कॉपर, कैल्शियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भी पौधों में जल्दी फ्लावरिंग और फ्रूटिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर –

आप तो पौधों में खाद और उर्वरकों को डालने का महत्व जानते ही होंगे। पौधों में फल और फूल लगते टाइम यह काफी जरूरी होता है, कि उन्हें उस समय सही न्यूट्रिएंट्स दिए जाएं। होम गार्डन में लगे पौधों में ज्यादा फल और फूल लगने के लिए आप उनमें नीचे दिए गए निम्न फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल जरूर करें–

बोन मील

एप्सम साल्ट

मस्टर्ड केक

रॉक फास्फेट

प्रोम मैन्योर

आर्गेनिक पोटाश फर्टिलाइजर

लिक्विड सीवीड फर्टिलाइजर

केले के छिलके की खाद

बोन मील – पौधों में बोन मील फर्टिलाइजर का उपयोग फल, फूल और सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। प्लांट्स में इसका इस्तेमाल फूल और फल लगने के दौरान कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इसे अधिक मात्रा में डाल देने पर भी पौधे को कोई नुकसान नहीं पहुँचता है। बोनमील उर्वरक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निम्न हैं

एन-पी-के वैल्यू – 3-15-0

मुख्य पोषक तत्व – फास्फोरस, कैल्शियम, नाइट्रोजन

इस्तेमाल कैसे करें – पौधे को लगाने के लिए मिट्टी तैयार करते समय, उसमें आधा चम्मच बोन मील मिला सकते हैं और पौधे में कलियों के विकास के दौरान भी एक मुट्ठी बोन मील फर्टिलाइजर पौधे की ऊपरी मिट्टी में मिलाया जा सकता है। मिट्टी में इस उर्वरक को मिलाने के बाद पानी का छिड़काव जरूर करें। बोन मील उर्वरक कितनी बार डालना चाहिए – बोन मील उर्वरक को मिट्टी में पूरी तरह से घुलने में लगभग चार महीने लगते हैं, इसलिए इस समय अवधि में फिर से फर्टिलाइजर यूज न करें। एप्सम साल्ट – कई लोगों का सवाल होता है कि फूलों में कौन सी खाद डालनी चाहिए? यदि आपके गार्डन में लगे पौधों में भी फ्लावरिंग या फ्रूटिंग नहीं हो रही है, तो आप उनमें एप्सम साल्ट का इस्तेमाल कर, इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

गेहूं में लगने वाले कीट और रोग के उपाय

आज हम बात करते हैं गेहूं में लगने वाले प्रमुख रोगों के बारे में। थोड़ी सी सावधानी से किसान भाई कैसे गेहूं की फसल की ज्यादा पैदावार ले सकते हैं। पिछले एक माह से गेहूं उत्पादक राज्यों के किसान मौसम के कई रंग देख चुके हैं। पहले गेहूं के अनुकूल ठंडी राते, दिन में धूप का निकलना और अब बारिश से देशभर में गेहूं की अनुकूल फसल होने का संदेश मिलता है। आइये जानते है गेहूं के रोग और उपाय, गेहूं में लगने वाले कीट, गेहूं की फसल में कौन सा फफूंदी रोग पाया जाता है-

▶▶ गेहूं में लगने वाले प्रमुख रोग

1. धारीदार रतुआ या पीला रतुआ
2. पर्ण रतुआ /भूरा रतुआ
3. करनाल बंट खुला कंडुआ या लूज स्मट
4. पर्ण झुलसा या लीफ ब्लाईट
5. चूर्णिल आसिता या पौदरी मिल्ड्यू ,
6. ध्वज कंड या फ्लैग समट
7. पहाड़ी बंट या हिल बंट
8. तना रतुआ या काला रतुआ
9. पाद विगलन या फुट रांट

1. गेहूं का पीला रतुआ रोग एवं उपचार (धारीदार रतुआ)

देश के कई राज्यों में बारिश से नमी वाले तराई क्षेत्रों में गेहूं की फसल पीला रतुआ बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में समय रहते किसानों को इस रोग का प्रबंधन करना चाहिए। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जनवरी और फरवरी में गेहूं की फसल में लगने वाले पीला रतुआ रोग आने की संभावना रहती है। निम्न तापमान और उच्च आर्दता पीला रतुआ के स्पोर अंकुरण के लिए सही होता है। हाथ से छूने पर धारियों से फफूंद के बीजाणू पीले रंग की तरह हाथ में लगते हैं। गेहूं में पीला रोग की चपेट में आने से कोई पैदावार नहीं होती है।

▶▶ गेहूं का पीला रतुआ रोग के लक्षण

पत्तों का पीलापन होना ही पीला रतुआ नहीं कहलाता, बल्कि पाउडरनुमा पीला पदार्थ हाथ पर लगना इसका लक्षण है। पत्तियों की ऊपरी सतह पर पीले रंग की धारी दिखाई देती है, जो धीरे-धीरे पूरी पत्तियों को पीला कर देती है। पीला पाउडर जमीन पर गिरा देखा जा सकता है। पहली अवस्था में यह रोग खेत में 10-15 पौधों पर एक गोल दायरे में शुरु होकर बाद में पूरे खेत में फैल जाता है। तापमान बढने पर पीली धारियां पत्तियों की निचली सतह पर काले रंग में बदल जाती है।

▶▶ गेहूं का पीला रतुआ रोग का जैविक उपचार

किसान भाई पीला रतुआ रोग से बचाव के लिए यह जैविक उपचार अपना सकते हैं। एक किलोग्राम तम्बाकू की पत्तियों का पाउडर 20 किलो लकड़ी की राख के साथ मिलाकर बीज बुवाई या पौध रोपण से पहले खेत में छिड़काव करें।

गोमूत्र व नीम का तेल मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार कर लें और 500 मि.ली. मिश्रण को प्रति पम्प के हिसाब से फसल में तर-बतर छिड़काव करें।

गोमूत्र 10 लीटर व नीम की पत्ती दो किलो व लहसुन 250 ग्राम का काढ़ा बनाकर 80-90 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ छिड़काव करें।

▶▶ गेहूं का पीला रतुआ रोग का रसायनिक उपचार

रोग के लक्षण दिखाई देते ही 200 मि.ली. प्रोपीकोनेजोल 25 ई.सी. या पायराक्लोट्रोबिन प्रति लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। रोग के प्रकोप और फैलाव को देखते हुए दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल में करें।

2. गेहूं का पर्ण रतुआ / भूरा रतुआ रोग

यह पक्सीनिया रिकोंडिटा ट्रिटिसाई नामक कवक से होता है तथा संपूर्ण भारत में पाया जाता है। इस रोग की शुरुआत उत्तर भारत की हिमालय तथा दक्षिण भारत की निलगिरी पहाडियों से शुरू होता है एवं वहां पर जीवित रहता है तथा वहां से हवा द्वारा मैदानी क्षेत्रों में फैलकर गेहूं की फसल को संक्रमित करता है।

▶▶ गेहूं का पर्ण रतुआ के लक्षण

इस रोग कि पहचान यह है कि प्रारम्भ में इस रोग के लक्षण नारंगी रंग के सुई की नोक के बिंदुओं के आकार के बिना क्रम के पत्तियों की उपरी सतह पर उभरते हैं जो बाद में और घने होकर पूरी पत्ती और पर्ण वृंतों पर फैल जाते हैं। रोगी पत्तियां जल्दी सुख जाती है जिससे प्रकाश संश्लेषण में भी कमी होती है और दाना हल्का बनता है। गर्मी बढने पर इन धब्बों का रंग, पत्तियों की निचली सतह पर काला हो जाता है तथा इसके बाद यह रोग आगे नहीं फैलता है। इस रोग से गेहूं की उपज में 30 प्रतिशत तक की हानि हो सकती है।

▶▶ गेहूं का पर्ण रतुआ रोग का उपचार

धब्बे दिखाई देने पर 0.1 प्रतिशत प्रोपीकोनेजोल (टिल्ट 25 ईसी) का एक या दो बार पत्तियों पर छिड़काव करें।

3. गेहूं का करनाल बंट रोग

भारत में यह रोग अपेक्षाकृत ठंडे प्रदेशों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के मैदानी इलाके पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तरी राजस्थान में अधिक होता है। अधिक तापमान तथा उष्ण जलवायु वाले राज्यों जैसे कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात तथा मध्यप्रदेश में नहीं पाया जाता। इस रोग का कारक एक कवक टिलेसिया इंडिका है। यह रोगजनक मृदा में रहता है तथा संक्रमित बीज इस रोग को नये क्षेत्रों में फैलाते हैं।

▶▶ गेहूं का करनाल बंट रोग के लक्षण

इस रोग से दानों के अंदर काला चूर्ण बन जाता है तथा अंकुरण क्षमता कम हो जाती है।

▶▶ गेहूं का करनाल बंट रोग के उपाय

इस रोग कि रोकथाम के लिए बीज को थाइरम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बोयें। उन्नत प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। रोकथाम हेतु खड़ी फसल में प्रोपिकोनोजोल 25 ई.सी. 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव डफ अवस्था में करें।

4. खुला कंडुआ या लूज स्मट रोग

यह रोग आंतरिक रूप से संक्रमित बीज से पैदा होता है। इसका रोग जनक एक कवक अस्टीलैगो सेजेटम प्रजाति ट्रिटिसाई बीज के भ्रूण भाग में छिपा रहता है तथा संक्रमित बीज ऊपर से देखते में बिल्कुल स्वस्थ बीजों की तरह ही दिखाई देता है। इस रोग से प्रति वर्ष उत्तर भारत में गेहूं कि उपज में 1-2 प्रतिशत की हानि होती है।

▶▶ गेहूं में कंडुआ रोग के लक्षण

इस रोग के लक्षण बाली आने पर ही दिखाई देते हैं। रोगी पौधों की बालियों में दानों की जगह रोग जनक के रोगकंड काले पाउडर के रूप में पाये जाते हैं जो कि हवा से उड़कर अन्य स्वस्थ बालियों में बन रहे बीजों को भी संक्रमित कर देते हैं। इस प्रकार रोग आगे आने वाली फसल में पहुंच जाता है। प्रायः किसान भाई इस तरह से संक्रमित बीज से अनजान रहते हैं तथा बीजोपचार से चुक जाते हैं तथा बाद में उसकी फसल में इस रोग की कोई रोकथाम संभव नहीं होती है।

▶▶ गेहूं में कंडुआ रोग के उपाय

इस रोग कि रोकथाम के लिए रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़कर जला दें। बीजों को कार्बोक्सिन 75 डब्लू.पी. 1.5 ग्राम या कर्बेन्डाजिम 50 डब्लू.पी. 1.0 ग्राम या टेब्यूकोनाजोल 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।

5. गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग या लीफ ब्लाइट रोग

यह रोग मुख्यत बाईपोलेरिस सोरोकिनियाना नामक कवक से पैदा होता है। यह रोग सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है लेकिन इस रोग का प्रकोप नम तथा गर्म जलवायु वाले उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अधिक होता है।

▶▶ गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग के लक्षण

इस रोग के लक्षण पौधे के सभी भागों में पाये जाते हैं तथा पत्तियों पर प्रमुख होते हैं। प्रारम्भ में रोग के लक्षण भूरे रंगे के नाव के आकार के छोटे धब्बों के रूप में उभरते हैं। जो कि बड़े होकर पत्तियों के सम्पूर्ण भाग या कुछ भाग को झुलसा देते हैं तथा ऊतक मर जाते हैं और हरा रंग नष्ट हो जाता है। इससे प्रकाश संशलेषण बुरी तरह प्रभावित होता है। इस प्रकार के बीज में अंकुरण क्षमता बहुत कम होती है। इस रोग से रोग ग्रसित फसल में 50 प्रतिशत तक उपज की हानि हो सकती है।

▶▶ गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग के उपाय

इस रोग से बचाने के लिए जनवरी के प्रथम सप्ताह से 15 दिन के अंतराल पर सवा किलो मैंकोजेब प्रति हैक्टेयर का 6,000 लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 बार छिड़काव करें। इसके अलावा 2.5 ग्राम / किलो. बीज की दर से कार्बोक्सिन के साथ बीजोपचार करें। खेत में जमाव न रहने दें।

6. चूर्णिल आसिता या पौदरी मिल्ड्यू रोग

यह रोग ठंडे प्रदेशों में पाया जाता है तथा ब्लुमेरिया ग्रैमेनिस ट्रिटिसाई नामक कवक से होता है। यह रोगजनक ग्रीष्म काल में उत्तर के पहाड़ों पर जीवित रहता है तथा बाद में फसल अवधि में उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में फैल कर गेहूं की फसल को संक्रमित करता है।

▶▶ लक्षण

इस रोग से पत्तियों की उपरी स्थ पर गेहूं के आटे के रंग के सफेद धब्बे पड़ जाते हैं जो कि उपयुक्त परिस्थितियां होने पर बालियों तक पहुंच जाते हैं। तापमान बढने पर इन सफेद भूरे धब्बों में आलपिन की नोंक के आकार के गहरे भूरे क्लिस्टोथिसिया बन जाते हैं तथा इस रोग का फैलाव रुक जाता है। आजकल यह रोग उत्तरी पहाड़ी तथा उत्तरी पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में काफी फैलने लगा है तथा इन क्षेत्रों में उगने वाली प्रजातियों में इस रोग की प्रतिरोधी शक्ति कम है। यह रोग मेड पर उगने वाली तथा पेड़ों की छाया वाली फसल में अधिक लगता है। इस रोग के कारण दाना हल्का बनता है।

▶▶ उपाय

रोग के संक्रमन से डेन बनने की अवस्था तक 0.1 प्रतिशत प्रोपिकोनेजोल का पत्तियों पर छिड़काव करें। छायादार खेत में गेहूं की बुआई न करें। उत्तर पर्वतीय क्षेत्रों में एचएस 542, वीएल 829, वीएल 907, वीएल 907, एचएस 507, एचएस 490, इत्यादी किस्मों का प्रयोग करें।